सान्ध्य हिन्दी दैनिक   जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 18 | जौनपुर, बुधवार, 04 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अभ्यर्थियों के समर्थन में आईं मायावती

लखनऊ, संवाददाता। बसपा सुप्रीमो मायावती ने 69 हजार शिक्षक भर्ती के अभ्यर्थियों का समर्थन करते हुए कहा है कि नियुक्ति पत्र जारी न करना उनके साथ अन्याय है। उन्होंने कहा कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए। सोशल मीडिया साइट एक्स पर उन्होंने कहा कि शिक्षकों को यह आश्वासन दिया गया है कि उच्च न्यायालय के आदेश का सरकार द्वारा पूर्ण रूप से अनुपालन किया जाएगा। उसके तहत नियुक्ति पत्र जारी किये जाएंगे। इस आश्वासन के बाद अभी तक नियुक्ति पत्र जारी नहीं करना उनके साथ अन्याय है। सरकार इस पर अमल करे।

बता दें कि अभ्यर्थी नियुक्ति पत्र सहित अपनी कई मांगों को लेकर लगातार प्रदर्शन कर रहे हैं। सोमवार को अभ्यर्थियों ने उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य के आवास का घेराव किया और नारेबाजी की। मंगलवार को अभ्यर्थियों ने यूपी सरकार के मंत्री आशीष पटेल का आवास घेरा और नियुक्ति पत्र जारी करने की मांग की। प्रदर्शन के दौरान कई अभ्यर्थियों की तबीयत भी बिगड़ गई।

सीएम योगी ने 375 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया

मैनपुरी, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि अराजकता और गुंडागर्दी इनके डीएनए में है। इनका मॉडल विकास का नहीं है, ये लोग विकास के कार्यों में लूट मचाने वाले हैं। मुख्यमंत्री योगी मैनपुरी के करहल विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को 375 करोड़ रुपए की परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने समाजवादी पार्टी (सपा) पर जमकर जुबानी हमले किए। उन्होंने कहा कि मैं पूछना चाहता हूं कि मैनपुरी जो कभी वीवीआईपी जनपद माना जाता था, फिर भी विकास में क्यों पिछड़ गया।

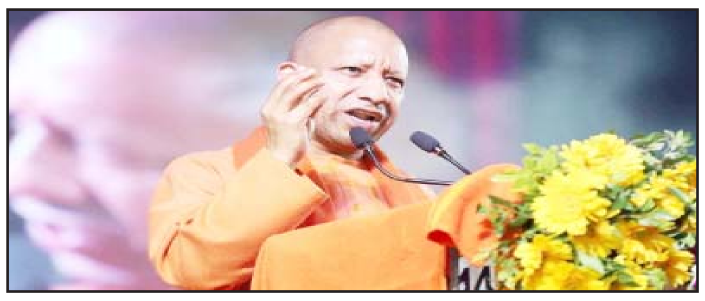

मैनपुरी तो मयन, मार्कण्डेय, च्यवन जैसे हमारे महान ऋषियों की धरती रही है। यहां की धरती का संबंध स्वाधीनता संग्राम से जुड़े नायकों स्वतंत्रता सेनानियों से है। फिर भी मैनपुरी के सामने पहचान का संकट खड़ा करने वाले कौन लोग हैं? ये वही लोग हैं, जिन लोगों ने आपके सामने पहचान का संकट तो खड़ा किया ही, प्रदेश के सामने भी अस्तित्व का संकट खड़ा किया। सीएम योगी ने समाजवादी पार्टी पर हमला करते हुए कहा कि अराजकता और गुंडागर्दी इनके डीएनए में है। इनका मॉडल विकास का नहीं बल्कि ये लोग विकास के कार्यों में लूट मचाने वाले हैं। इनका कारनामा वही है जो अयोध्या में एक निषाद बेटी के साथ समाजवादी पार्टी के नेता द्वारा किया गया था। इनके वास्तविक कारनामे देखने हों तो कन्नौज में घटी घटना और श्नवाब ब्रांडश इनका वास्तविक चेहरा हैं। उन्होंने पहले सामाजिक ताने–बाने को छिन्न–भिन्न किया, प्रदेश को दंगों की आग में झोंका। नौजवानों को मिलने वाली नौकरियों में डकैती डाली। उन्होंने आगे कहा कि कल ही एक हजार नौजवानों को सरकारी नौकरियों का नियुक्ति पत्र देने जा रहे हैं। 2017 के पहले हर नौकरी बिकती थी, उसकी नीलामी होती थी। वसूली में चाचा और भतीजा समान भागीदार होते थे। बाद में, जब ज्यादा वसूली होती थी तो चाचा को धकेल दिया जाता था, भतीजा अकेले ही बैग लेके भाग जाता था। यही दृश्य पूरे प्रदेश का हुआ करता था। इन लोगों को प्रदेश और मैनपुरी की चिंता नहीं बल्कि स्वयं की चिंता थी। जब इनको लगा कि उत्तर प्रदेश अब इनके लिए सुरक्षित नहीं है तो दुनिया के अलग–अलग देशों में द्वीप खरीदने लगे, मगर हमें और आपको तो इसी प्रदेश में रहना है। सीएम योगी ने तंज कसते हुए कहा कि चाचा की तो नियति ही है धक्का खा करके वहीं पड़े रहना, लेकिन प्रदेशवासियों को धक्का खाने की जरूरत नहीं है। उन्हें खुद को उबारना पड़ेगा और सम्मान के साथ राष्ट्रवादी मिशन के साथ जुड़कर लड़ने की आदत डालनी पड़ेगी।

राहुल गांधी ने बुलडोजर नीति पर सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी को सराहा

नई दिल्ली, एजेसी। बीजेपी सरकारों की बुलडोजर नीति पर सुप्रीम कोर्ट ने एक तरह से ब्रेक लगा दिया है। कोर्ट ने आरोपियों के घर पर तो बुलडोजर की कार्रवाई पर सवाल खड़े किए। साथ ही दोषियों के परिवार के लिए भी इस कार्रवाई को गलत बताया। कोर्ट के इस फैसले को लेकर अब बीजेपी घिरती नजर आ रही है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने भी कोर्ट के इस फैसले का स्वागत करते हुए बीजेपी पर करारा हमला बोला है। सुप्रीम कोर्ट ने बीजेपी सरकार की बुलडोजर नीति को लेकर कड़ी फटकार लगाई है और इसपर उचित गाइडलाइन जारी करने की बात कही है तो विपक्ष ने भी इस मुद्दे पर बीजेपी को घेरा है। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने तो यहां तक कह दिया कि संविधान विरोधी चेहरा अब देश के सामने बेनकघब हो चुका है। राहुल गांधी ने इसे लेकर ट्वीट किया कि भाजपा की असंवैधानिक और अन्यायपूर्ण 'बुलडोजर नीति' पर सर्वोच्च न्यायालय की टिप्पणी स्वागत योग्य है। बुलडोजर के नीचे मानवता और इंसाफ को कुचलने वाली भाजपा का संविधान विरोधी चेहरा अब देश के सामने बेनकाब हो चुका है।

राम लला का दर्शन करने से मिलती है अंतरात्मा को खुशी की अनुभूति – स्वीटी गुप्ता

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या।राम लला का दर्शन पूजन करने पर अंदर से काफी खुशी की अनुभव महसूस होती है।राम नगरी आने से श्रद्धालुओं को आनंद ही आनंद मिलता होगा।आज सिर्फ हमारा ही नहीं बल्कि सभी लोगों का वर्षों से संजोए सपना पूरा हो रहा है। यह बातें प्रसिद्ध भजन गायिका व कलाकार स्वीटी गुप्ता ने खास मुलाकात में कही।उन्होंने बताया कि वे दुबई के अलावा अन्य विदेशों में जाकर कई मंदिरों में जाकर दर्शन पूजन करतीं हैं लेकिन अंतरात्मा को जो सुख की अनुभूति अपने देश के धार्मिक स्थलों में स्थित मंदिरों में दर्शन पूजन करने से होती है वह विदेशों में स्थित मंदिरों में नहीं मिलती।उन्होंने बताया कि उनका लगाव मथुरा, काशी, अयोध्या, प्रयागराज जैसे धार्मिक स्थलों से काफी है।उन्होंने बताया कि विदेशों से जब भी लौटकर वह भारत आती है,तो उन्हें जब भी मौका मिलता है तो वे राम लला का दर्शन पूजन करने अयोध्या अवश्य आती है। उन्होंने प्रभु श्री राम को अपना आराध्य मानते हुए कहा कि प्रभु श्री राम हमारे ह्रदय में बसते हैं।प्रभु श्री राम को यू ही नहीं मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम नही कहा जाता।उन्होंने बताया कि उनके अंदर त्याग,अनुशासन,धैर्य, आज्ञाकारी सहित अन्य विशेषताएं कण कण में भरी हुई थी।वही इस कलयुग में देखने को मिल रहा है।पांच सौ साल तक जंगलों में एक तंबू में रहकर तक कहीं जाकर अब प्रभु श्री राम को भव्य व आलौकिक दिव्य मंदिर में विराजमान हैं।इसके लिए मोदी व योगी जी की जितनी भी तारीफ की जाये वह कम है।इसके साथ ही साथ करोड़ों हिंदू भाइयों का काफी योगदान रहा है। वही उन कारसेवकों ने जिन्होंने राम मंदिर निर्माण के लिए अपने प्राणों की आहूति दे दिया।उन्होंने बताया कि राम मंदिर निर्माण से राम नगरी में चहुंमुखी विकास हो रहा है।जिसमें अयोध्या में होटल, रेस्टोरेंट, अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा,बंदे भारत ट्रेन को बढ़ावा दिया है। कुल मिलाकर राम मंदिर निर्माण से अयोध्या में बेरोजगारों को काफी रोजगार मिला हुआ है।

छात्रों को वंचित वर्गों की मदद के लिए करना चाहिए ज्ञान का उपयोग - राष्ट्रपति

पुणे, एजेसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को छात्रों को सलाह दी कि वे अपने ज्ञान का उपयोग लोगों, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों, की मदद के लिए करें। राष्ट्रपति ने सिम्बायोसिस इंटरनेशनल डीम्ड यूनिवर्सिटी के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा, ष्ज्ञान के आधार पर उन्हें (छात्रों को) ऐसे सॉफ्टवेयर, स्वास्थ्य देखभाल उत्पाद और विपणन रणनीतियां बनानी चाहिए जो सभी के विकास में मदद करें, विशेष रूप से वंचित वर्गों के लिए और साथ ही स्थिरता को भी बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि स्टार्ट–अप इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहलें भी उन्हें अपने लक्ष्य हासिल करने में मदद करेंगी। राष्ट्रपति ने छात्रों को प्रत्येक कार्य में बेहतर प्रदर्शन करने की सलाह

दी। उन्होंने कहा कि आज के युवा इतने सक्षम हो गए हैं कि वे अपने व्यक्तित्व और ज्ञान से देश तथा विदेश में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। राष्ट्रपति ने कहा, कई बार ऐसा होता है कि कुछ लोग ज्यादा पैसे, बड़ा घर, कार और दूसरी चीजें होने को ही सफलता की निशानी मान लेते हैं। छात्रों को सफलता का सही मतलब समझना चाहिए और ऐसा काम करना चाहिए जिससे दूसरों का जीवन स्तर भी बेहतर हो। राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा, ष्छात्र नवाचार, एआई और मशीन लर्निंग के माध्यम से प्रबंधन, स्वास्थ्य देखभाल, कानून, सामाजिक विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्हें देश के विभिन्न समुदायों और क्षेत्रों की संस्कृति और उनकी वर्तमान जरूरतों को भी समझना चाहिए। राष्ट्रपति ने कहा कि सिम्बायोसिस इंटरनेशनल में अध्ययनरत लगभग 33 हजार विद्यार्थियों में लड़के और लड़कियों की संख्या लगभग बराबर है। नारी शक्ति की प्रगति न केवल नागरिकों के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह देश के विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण मानदंड है।

हमें यह जानकर खुशी हुई कि सिम्बायोसिस डीम्ड यूनिवर्सिटी लैंगिक समानता को प्राथमिकता दे रही है तथा लड़कियों की शिक्षा के लिए उचित वातावरण और सुविधाएं प्रदान कर रही है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सभी शैक्षणिक संस्थानों से छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने तथा उनके लिए सुरक्षित और सहायक वातावरण बनाने का आग्रह किया।

प्रधानमंत्री मोदी की ब्रूनेई की ऐतिहासिक पहली यात्रा

नई दिल्ली, एजेसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मंगलवार को ब्रूनेई की ऐतिहासिक यात्रा पर रवाना हुए, जो दोनों देशों के बीच 40 वर्षों के राजनयिक संबंधों के बावजूद किसी भारतीय राष्ट्राध्यक्ष की इस द्वीपीय राष्ट्र की पहली यात्रा है। ब्रूनेई की अपनी यात्रा के

बाद, प्रधानमंत्री मोदी 4 सितंबर से 5 सितंबर तक दो दिवसीय यात्रा के लिए सिंगापुर जाएंगे, जिस दौरान वे सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग के साथ वार्ता करेंगे। दो देशों की यात्रा पर जाने से पहले, प्रधानमंत्री ने एक्स पर एक बयान में कहा, अगले दो दिनों में, ब्रूनेई दारुस्सलाम और सिंगापुर का दौरा करेंगे। इन देशों में विभिन्न कार्यक्रमों के दौरान, भारत के उनके साथ संबंधों को और गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी की ब्रूनेई यात्रा महामहिम सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया के निमंत्रण के बाद हो रही है। इस यात्रा का उद्देश्य रक्षा, व्यापार, ऊर्जा और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करना है। विदेश मंत्रालय (एमईए) में सचिव (पूर्व) जयदीप मजूमदार ने कहा कि भारत और ब्रूनेई रक्षा में संयुक्त कार्य समूह स्थापित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अपने प्रस्थान से पहले ट्वीट किया, ष्भारत–ब्रूनेई दारुस्सलाम राजनयिक संबंधों ने 40 शानदार वर्ष पूरे कर लिए हैं। मैं महामहिम सुल्तान हाजी हसनल बोल्किया से मिलने के लिए उत्सुक हूं।

पीएम मोदी का सिंगापुर एजेंडा

पीएम मोदी की सिंगापुर यात्रा लगभग छह वर्षों में उनकी पहली यात्रा है और प्रधानमंत्री के रूप में उनके तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में हो रही है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि यह यात्रा ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हो रही है, जब सिंगापुर में एक नया नेता है, जो द्विपक्षीय संबंधों को और बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान विदेश मंत्रालय के जयदीप मजूमदार ने कहा, भारत–सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज ढांचे के तहत हमारी साझेदारी के नए आधारों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच संबंध ष्विकसितष हुए हैं, जिसका कारण व्यापार और निवेश में लगातार वृद्धि, मजबूत रक्षा सहयोग और बढ़ते सांस्कृतिक और शैक्षिक आदान–प्रदान हैं। मजूमदार ने कहा कि भारत–सिंगापुर मंत्रिस्तरीय गोलमेज सम्मेलन के दौरान हाल ही में डिजिटलीकरण, स्थिरता, स्वास्थ्य और उन्नत विनिर्माण सहित सहयोग के भविष्य के क्षेत्रों पर चर्चा की गई। मोदी की यात्रा के दौरान कई समझौता ज्ञापनों (एमओयू) का आदान–प्रदान होने की उम्मीद है, खासकर खाद्य सुरक्षा, नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन और अर्धचालक जैसे क्षेत्रों में। सिंगापुर दक्षिण पूर्व एशियाई राष्ट्र संघ (आसियान) के भीतर भारत का सबसे बड़ा व्यापार भागीदार है और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) का एक महत्वपूर्ण स्रोत है। पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान, सिंगापुर भारत का सबसे बड़ा एफडी आई स्रोत था, जिसका मूल्य +11.77 बिलियन था। सिंगापुर में पीएम मोदी के कार्यक्रम में सीईओ और व्यापार जगत के नेताओं के साथ एक संवादात्मक सत्र भी शामिल है। चर्चा में दक्षिण चीन सागर और म्यांमार सहित क्षेत्रीय मुद्दों पर चर्चा होने की उम्मीद है। पीएम मोदी की दोनों देशों की यात्रा भारत की एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप भी है, जिसका उद्देश्य दक्षिण पूर्व एशिया और हिंद–प्रशांत क्षेत्र के साथ संबंधों को मजबूत करना है।

हिमाचल में गहराया वित्तीय संकट

हिमाचल प्रदेश, एजेसी। भले ही हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने राज्य के गहराते वित्तीय संकट के बारे में चिंताओं को दूर करने की बहुत कोशिश की, लेकिन सेवारत और सेवानिवृत्त सरकारी कर्मचारियों की वेतन और पेंशन में देरी होने की सबसे बुरी आशंका सच साबित हुई जब सोमवार को उनके बैंक खातों में कोई भुगतान नहीं किया गया। आम तौर पर वेतन और पेंशन हर महीने की पहली तारीख को उनके बैंक खातों में जमा कर दी जाती है। हालाँकि, कल रविवार होने के कारण वेतन सोमवार को वितरित किया जाना चाहिए था, जो नहीं हुआ, जिससे दो लाख से अधिक नियमित कर्मचारी काफी चिंतित हैं। आधिकारिक बयान नहीं है कि वेतन कब वितरित किया जाएगा, लेकिन कांग्रेस नेतृत्व के साथ–साथ नौकरशाही के बीच भी चिंता है कि गंभीर वित्तीय संकट के बीच स्थिति से कैसे निपटा जाए। हालांकि पिछले शासनकाल में ऐसे उदाहरण आए हैं जब राजकोष घाटे में चला गया, लेकिन वेतन और पेंशन में कभी देरी नहीं हुई। हालाँकि, इस बार देरी एक दिनचर्या बन सकती है क्योंकि अधिक ऋण जुटाने का कोई प्रावधान नहीं है और राज्य पूरी तरह से केंद्र पर निर्भर है। एचपी राज्य विद्युत बोर्ड के कर्मचारी और पेंशनभोगी, जिन्हें अतीत में हमेशा देरी से वेतन मिलता था, भुगतान प्राप्त करने वाले एकमात्र व्यक्ति थे। सुखविंदर सिंह सुक्खू ने पूर्ववर्ती भाजपा सरकार पर वित्तीय कुप्रबंधन का आरोप लगाया है, जिसका दोष उन्होंने उनके द्वारा शुरू की गई मुफ्त की संस्कृति को दिया है। राज्य विधानसभा में भाषण देते हुए सुक्खू यह कहना चाहते थे कि इन सभी मुफ्त सुविधाओं ने उस वित्तीय संकट में प्रमुख भूमिका निभाई है जिसका राज्य वर्तमान में सामना कर रहा है। लेकिन उन्होंने सदन के सदस्यों से कहा कि राज्य के खजाने की स्थिति जल्द ही बेहतरी के लिए बदल जाएगी। सुक्खू ने राज्य की वित्तीय स्थिति में सुधार के लिए कई सुधारात्मक उपाय करने की अपनी सरकार की योजनाओं को भी सूचीबद्ध किया है। मीडिया से बातचीत में उन्होंने कहा कि वह हिमाचल प्रदेश को 2027 तक आर्थिक रूप से स्वतंत्र राज्य और 2032 तक देश का सबसे समृद्ध राज्य बनाना चाहते हैं। कर्मचारियों को वेतन नहीं मिलने पर सचिवालय कर्मचारी संघ के अध्यक्ष संजीव शर्मा ने कहा कि हर बार पेंशनभोगियों और कर्मचारियों को हर महीने की 1 तारीख तक वेतन मिल जाता है।

भाजपा के साथ गठबंधन अब संभव नहीं – महबूबा मुफ्ती

जम्मू, एजेसी। पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती ने मंगलवार को जम्मू–कश्मीर में भाजपा के साथ किसी भी तरह के गठबंधन से इनकार किया। साथ ही साथ इस बात पर जोर दिया कि विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी को शामिल किए बिना सरकार बनाना संभव नहीं होगा।

नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) पर निशाना साधते हुए उन्होंने दावा किया कि पार्टी सिर्फ सरकार बनाने के लिए चुनाव लड़ना चाहती है। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वे 1947 से ऐसा कर रहे हैं। इसके अलावा उनका कोई लक्ष्य नहीं है। वे सिर्फ सरकार बनाने, मंत्री पद पाने के लिए गठबंधन बनाते हैं। पीडीपी प्रमुख ने कहा कि उनकी पार्टी एक एजेंडे के लिए चुनाव लड़ना चाहती है, लेकिन उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव के बाद उनकी पार्टी के बिना कोई भी सरकार बनाना संभव नहीं होगा।

उन्होंने कहा कि हमने (2002 में) केवल 16 विधायकों के साथ सरकार बनाई थी। भगवान की इच्छा है कि इस बार भी पीडीपी को शामिल किए बिना कोई सरकार नहीं बनेगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि पीडीपी का ध्यान अपने एजेंडे को लागू करने पर ज्यादा है और सरकार बनाने पर कम। महबूबा, जिनकी पार्टी ने 2015 में भाजपा के साथ गठबंधन सरकार बनाई थी, ने चुनाव के बाद भगवा पार्टी के साथ गठ बंधन से इनकार कर दिया।

'शिक्षक दिवस'
के पावन अवसर पर
समस्त शिक्षक गण,
स्नातकों व बुद्धिजीवियों
को
हार्दिक मंगलकामनाएं।

हर्षित सिंह
महाप्रबन्धक

डॉ.एस.पी.सिंह
सांसद
संस्थापक एवं चेयरमैन

लखनऊ पब्लिक स्कूल्स एण्ड कॉलेजेज़

आयोग का तुरन्त पुनर्गठन आवश्यक, विश्वसनीयता एवं साख दाव पर –पायलट

जयपुर, एजेसी। कांग्रेस महा सचिव एवं राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने राज्य सरकार से 'राज्य लोक सेवा आयोग' की विश्वसनीयता को पुनर्स्थापित करने के लिए इसका पुनर्गठन करने की मांग की है। पायलट ने एक बयान में कहा कि पिछले वर्ष सितम्बर में प्रर्वतन निदेशालय (ईडी) ने द्वितीय श्रेणी अध्यापक भर्ती परीक्षा पेपर लीक मामले में राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्य बाबूलाल कटारा को गिरफ्तार किया था और अब विशेष अभियान दल (एसओजी) ने पुलिस उपनिरीक्षक भर्ती परीक्षा पेपर लीक प्रकरण में आयोग के पूर्व सदस्य रामूराम राईका को गिरफ्तार किया है। पायलट ने कहा कि ईडी एवं एसओजी द्वारा पेपर लीक प्रकरणों में की गई इन गिरफ्तारियों से आरपीएससी जैसी प्रतिष्ठित संवैधानिक संस्था की विश्वसनीयता पर सवालिया निशान लग गया है। उन्होंने कहा,'' मैं पहले भी आरपीएससी की कार्यप्रणाली और चयन प्रक्रिया को लेकर अपना पक्ष रखता आया हूं और उन बातों की अब पुष्टि भी हो रही है।'' पुलिस उप–निरीक्षक भर्ती परीक्षा–2021 के पेपर लीक मामले में अब तक 61 आरोपियों के खिलाफ तीन अलग–अलग आरोपपत्र दाखिल किए जा चुके हैं। इन 61 आरोपियों में 33 प्रशिक्षु उप–निरीक्षक, चार चयनित उम्मीदवार और पेपर लीक गिरोह से जुड़े 24 लोग शामिल हैं। बयान के अनुसार, 65 अन्य आरोपियों की तलाश अभी जारी है।

संपादकीय

इजराइली हमले ने 'मौत की कैबिनेट' की आलोचना की

इजरायली सेना द्वारा गाजा पट्टी में हमास द्वारा बंधक बनाए गए छह लोगों के शव बरामद किए जाने के बाद प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू द्वारा संघर्ष विराम और बंधक–मुक्ति समझौते पर सहमत होने से इनकार करने के विरोध में पूरे इजरायल में सोमवार को काम बंद कर दिया गया और सड़कों पर उतर आए। शिक्षकों, स्थानीय सरकारी कर्मचारियों, पारगमन कर्मचारियों और अन्य लोगों ने हड़ताल में भाग लिया, जिसने इजरायल के सबसे बड़े हवाई अड्डे से प्रस्थान रोक दिया, विश्वविद्यालयों और शॉपिंग मॉल को बंद कर दिया और यातायात के प्रवाह को बाधित कर दिया क्योंकि नाराज इजरायलियों ने सड़कों को अवरुद्ध कर दिया। हड़ताल का आह्वान इजरायल के सबसे बड़े ट्रेड यूनियन हिस्ताद्रुत ने किया था। यूनियन के अध्यक्ष अर्नोन बार–डेविड ने कार्रवाई से पहले कहा कि ष्यह दाएं या बाएं का मामला नहीं हैय यह जीवन और मृत्यु का मामला है।ष ष्सुरक्षा प्रतिष्ठान के सभी प्रमुख इस समझौते का समर्थन करते हैं, और हमारे बंधकों को घर वापस लाना सरकार की जिम्मेदारी है,ष उन्होंने आगे कहा। ष्यह अकल्पनीय है कि हमारे बच्चे संकीर्ण विचारों और हितों के कारण वापस नहीं आएंगे।ष इजराइल के विपक्षी नेता यायर लैपिड ने हमले का समर्थन करते हुए कहा कि ष्नेतन्याहू और मौत की कैबिनेट ने उन छह बंधकों को नहीं बचाने का फैसला कियाष जिनके शव राफा से बरामद किए गए थे। इजराइल रक्षा बलों (आईडीएफ) ने रविवार को कहा कि हमास के लड़ाकों ने बंधकों को मार डाला, जिनमें इजराइली अमेरिकी हर्श गोल्डबर्ग–पोलिन भी शामिल थे। हमास ने एक बयान में कहा कि ष्हम अपने लोगों के खिलाफ आक्रामकता को रोकने और बदले में कैदियों को रिहा करने के लिए वार्ता की विफलता के लिए आपराधिक आतंकवादी बेंजामिन नेतन्याहू और पक्षपाती अमेरिकी प्रशासन को जिम्मेदार मानते हैं।ष हमास ने कहा, ष्हम उन कैदियों के जीवन के लिए भी उन्हें पूरी तरह जिम्मेदार मानते हैं, जो उनकी सेना की गोलियों से मारे गए।ष आईडीएफ की रविवार की घोषणा ने बंधकों के परिवारों और इजराइली समाज के अधिकांश लोगों द्वारा नेतन्याहू पर निर्देशित गुस्से को और बढ़ा दिया, जिन्होंने हाल के हफ्तों में कट्टरपंथी मांगों के साथ संघर्ष विराम वार्ता को बार–बार विफल किया है। इजराइली अधिकारियों का मानना ध्ध्है कि गाजा में लगभग 100 बंधक अभी भी कैद में हैं, जिनमें से लगभग 35 के बारे में माना जाता है कि वे मर चुके हैं। कम से कम कुछ बंधकों को इजरायली सेना ने मार गिराया है। अप्रैल में, हमास ने एक संक्षिप्त वीडियो जारी किया जिसमें गोल्डबर्ग–पोलिन ने नेतन्याहू सरकार से युद्ध विराम समझौते की अपील की और कहा कि आईडीएफ हमलों में कम से कम 70 बंधक मारे गए हैं। इजरायली वकालत संगठन बीश्सेलम ने रविवार को एक बयान में कहा कि ष्आज सुबह गाजा से जिन छह इजरायली बंधकों के शव बरामद किए गए, उन्हें बचाया जा सकता था, अगर इजरायली सरकार ने उनके परिवारों और इजरायली जनता की युद्ध विराम और विनिमय समझौते पर पहुँचने की अपील पर ध्यान दिया होता।ष समूह ने कहा, ष्इजरायली सरकार मानव जीवन को कोई महत्व नहीं देती – चाहे वह उसके गाजा के नागरिकों का हो या उसके अपने नागरिकों का।ष संयुक्त राज्य अमेरिका में श्रमिक संघों – इजरायल के मुख्य सहयोगी और हथियार आपूर्तिकर्ता – ने सोमवार को काम छोड़कर चले गए इजरायली श्रमिकों के साथ एकजुटता व्यक्त की, अमेरिकन फेडरेशन ऑफ टीचर्स के अध्यक्ष रैंडी वेनगार्टन ने ष्नेतन्याहू सरकार को इस युद्ध को समाप्त करने का संदेश भेजने के लिए इजरायल की अर्थव्यवस्था को रोकने के लिए इस कार्रवाई की सराहना की।ष वेनगार्टन ने कहा, ष्हम हमास द्वारा छह निर्दोष बंधकों की हत्या से स्तब्ध हैं, ये युवा लोग हैं, जिनमें से अधिकांश नोवा डांस फेस्टिवल में थे।ष ष्लेकिन यह अमानवीय है कि इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने हमास के साथ संघर्ष विराम समझौते को मंजूरी देने से इनकार कर दिया है, जिससे बंधकों को वापस लाया जा सके और गाजा के मानवीय संकट को समाप्त किया जा सके। हमने जनवरी से ही इस युद्ध को समाप्त करने का आह्वान किया है। नेतन्याहू की जिद में, उन्होंने अपनी सेना और सुरक्षा विशेषज्ञों की भी बात सुनने से इनकार कर दिया है।ष वाशिंगटन पोस्ट के अनुसार, यह हमला उन रिपोर्टों के बीच शुरू हुआ, जिनमें कहा गया था कि अमेरिका षमिस्र और कतर से अंतिम श्इसे ले लो या छोड़ दोश समझौते की रूपरेखा के बारे में बात कर रहा है, जिसे वह आने वाले हफ्तों में पार्टियों के सामने पेश करने की योजना बना रहा है।ष पोस्ट ने कहा, ष्बाइडेन अधिकारियों ने कहा कि यह तुरंत स्पष्ट नहीं था कि छह बंधकों की खोज से यह संभावना कम होगी या कम कि आने वाले हफ्तों में इजरायल और हमास किसी समझौते पर पहुंचेंगे। ड्रॉप साइट के जेरेमी स्काहिल ने रविवार को कहा कि मई में अमेरिकी राष्ट्रपति जो, बिडेन ने जो कहा था कि इजरायल का अपना प्रस्ताव है, उसे कायम रखने पर जोर देने के बजाय, अमेरिका ने गाजा में इजरायली बलों की अनिश्चितकालीन उपस्थिति और सैन्य हमलों के खुले अभियान की अनुमति देने के नेतन्याहू के प्रयासों को संतुष्ट किया है।

कमला हैरिस की बढ़ती लोकप्रियता

आर.के. सिन्हा

अमेरिका में बसे लाखों भारतीय डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हैं या कमला हैरिस के पक्ष में? अगर मीडिया पर आ रही खबरों पर यकीन करें तो कमला हैरिस को तो आज के दिन अधिक लोकप्रिय बताया जा रहा है और प्रतिदिन कमला की लोकप्रियता बढ़ती ही चली जा रही बताते हैं। भारत सरकार किसे विजयी देखना चाहती है? यह तय है कि भारत सरकार जो भी जीतेगा उसके साथ तो ताल– मेल बैठकर काम तो करेगी ही ! यह बात भारत– अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय संबंधों की रोशनी में कही जा सकती है, जो लगातार मजबूत होते ही चले जा रहे हैं। एक बात जान लें कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के एकमुश्त वोट तो कमला हैरिस को नहीं मिलेंगे, कुछ वोट तो बटेंगे ही ! कुछ वोट ट्रम्प के खाते में भी जाएंगे। पर कमला हैरिस को भारतीय अपना तो मानते हैं। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन , तमिलनाडू के एक कुलीन बाह्मण परिवार से थीं। यह समाज अपनी बेटियों की शिक्षा पर भी बहुत ध्यान देता है। इसलिए इस परिवार ने श्यामला गोपालन को अपने सपनों को पूरा करने के लिए नई दिल्ली जाने की अनुमति दी। जहां उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। श्यामला के पिता पी.वी. गोपालन भी सरकारी सेवा में ही थे और मां सफल गृहणी थी। गोपालन जी सरकारी दफ्तर में टाइपिस्ट थे और अपनी लगन और ईमानदारी के सहारे पदोन्नति पाते रहे। वह अपनी नौकरी के सिलसिले में मद्रास, नई दिल्ली, मुंबईऔर कोलकाता में रहे। डीयू से 19 साल की उम्र में डिग्री लेने के बाद, कमला हैरिस की मां श्यामला ने अमेरिका का उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए रूख किया। उन्होंने अमेरिका में एक अफ्रीकी मूल के शख्स से शादी की , जिसका परिवार कैरिबियाई देश जमाईका में बस गया था। इस लिहाज से देखा जाए तो कमला हैरिस को भारतीय और अफ्रीकी कहीं ना कहीं अपने से जुड़ा मानते हैं। उधर, ट्रम्प का भी अपना एक खघस जनाधार है ही। वह अमेरिका के 2016–2020 के दौरान राष्ट्रपति रहे हैं। ट्रम्प वह व्यक्ति भी हैं जिन्होंने यूक्रेन और गाजा में संघर्षों को समाप्त करने का वादा किया है, जो लेबनान तक फैल गया है। वह इसे कितना गंभीरता से मानते हैं और क्या वह सफल होंगे, यह अनुमान का विषय है, लेकिन कम से कम उन्होंने वादा तो किया ही है। राष्ट्रपति जो बाइडेन के विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन भी गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए अपने ढंग से कुछ काम भी कर रहे हैं । उम्मीद है कि इससे डेमोक्रेटिक पार्टी को मदद मिल सकती है। लेकिन न तो बाइडेन और न ही कमला हैरिस ने अब तक गाजा में शांति लाने का कोई ठोस इरादा दिखाया है। ऐसे में क्या ट्रम्प की जीत विश्व शांति के लिए भी मतदाता अच्छी मानेंगें? भारत दृअमेरिका संबंध अब जरा बात कर ले भारत– अमेरिका संबंधों की। तो ज्यादातर राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं , इससे भारत – अमेरिका संबंधों पर कोई खघस फर्क नहीं पड़ेगा कि व्हाइट हाऊस में ट्रम्प पहुंचते हैं या कमला हैरिस। भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध तो बेहतर होते रहेंगे, यही अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विश्लेषक मानते हैं।दोनों देशों के संबंध उस दायरे से कहीं आगे जाते हैं, जब सत्ता परिवर्तन का असर संबंधों पर होता है। इन संबंधों में किसी पर्सनेल्टी का असर नहीं हो सकता। हां, दोनों देशों के नेताओं के निजी संबंधों से संबंध और बेहतर तो हो सकते हैं। यह हमने नरेन्द्र मोदी और बराक ओबामा, फिर मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प और उसके बाद मोदी और बाइडेन के समय देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से अमेरिका के दो पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रम्प के साथ एक अलग पर्सनल केमिस्ट्री विकसित की थी, वैसी ही केमिस्ट्री उनकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ भी बनी। कुछ अस्वस्थ होने के बावजूद पिछले साल बाइडेन जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आए। उसके बाद से उनकी भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से आपसी और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर अक्सर बातचीत होती ही रहती है। एक बात और। अगर ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बन जाते हैं तो संसार के इस्लामिक देशों के साथ वे किस तरह का संबंध बनाकर रखना चाहेंगे? वह पहली बार जब राट्रपति का चुनाव जीते थे तब सारा इस्लामिक संसार दुखी था। वह अपनी कैंपेन के दौरान बार–बार इस्लाम को लेकर बयान दे रहे थे। उन्होंने इस्लाम को अमेरिका विरोधी बताते हुए उनके अपने देश में प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग तक दोहराई थी। हालाकि उन्होंने कहा था कि उनकी लड़ाई कट्टरपंथी मुसलमानों से है। लेकिन , इस बार वह संभल कर चल रहे हैं। डोनाल्ड ट्रम्प आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के पनपने के लिए बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन को जिम्मेदार मानते हैं। ट्रम्प के इस तरह के बयानों पर उन्हें अमेरिका के गैर– मुसलमानो का समर्थन भी मिला। डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे से सनसनी पैदा हो गई थी कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद दुनिया भर के मुसलमान जश्न मनाने के लिए श्सड़कों पर उतरश आए थे।उसके बाद उन्होंने कहा, अरब और अमेरिकी मुसलमानों ने आंतकी हमलों का जश्न मनाया था। ट्रम्प ने अपने देश में मुसलमानों की निगरानी करने के लिए एक डाटा बेस बनाने का भी वादा किया था। ट्रम्प ने यह भी कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका के मुस्लिमों पर तगड़ी निगरानी जरूरी होगी। तब उनकी अमेरिकी मीडिया ने तीखी आलोचना की थी। लेकिन ट्रम्प अपने रुख पर कायम रहे थे ।यह सच है कि अमेरिका में 9ध्11 की घटना के बाद औसत अमेरिकी मुसलमानों से डरने और सतर्क रहने लगा था। हालांकि 9ध्11 की घटना के बाद दुनिया अब बहुत कुछ बदल चुका है। फिलहाल तो यह देखने वाली बात है कि अमेरिका का नया राष्ट्रपति कौन बनता है।

मानवता की सारी लक्ष्मण रेखाओं को पार कर देते

विनोद

किसी अस्पताल के सेमीनार रूम में या किसी सड़क के किनारे अर्धनग्न हालत में पड़ा अबोध बालिका या व्यस्क युवती का शव, टूटे हुए दांत, फूटी हुई आँखें, हाथों से अलग लटकती उंगलियाँ, गुप्तांगों से बहता खून..... ऐसा वीभत्स दृश्य की देखने वालों की रूह तक कांप जाती हैं। अजनबी लोगों को भी इस तरह की तस्वीरें भीतर तक हिला देती हैं तो इन्हें देख कर इनके माँ–बाप और परिवार के सदस्यों पर क्या गुजरती होगी इसका हम और आप अंदाजा भी नहीं लगा सकते। मानवता पर प्रहार करती ये घटनाएँ समाज के दिशाहीन विकास के कुरूप चेहरे को दिखाती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के 2022 के आँकड़ों के अनुसार देश में प्रतिदिन बलात्कार की 86 घटनाएं होती हैं स ये आंकड़ा और भी भयानक रूप से सामने आता हैं जब हमारे संज्ञान में ये बात आती हैं कि ये आँकड़ा केवल पुलिस में रिपोर्ट की गई घटनाओं का हैं। जो घटनाएँ किसी भी कारणवश पुलिस रिकॉर्ड में नहीं आ पाती उनका आँकड़ा हमारे अनुमान लगाने की सोच से भी परे हैं स हम सब इस सच से वाकिफ हैं कि समाज में बदनामी के डर से और कभी लालच के कारण माता पिता स्वयं अपनी बच्ची के बलात्कार या यौन उत्पीड़न की शिकायत पुलिस स्टेशन में दर्ज नहीं करवाते स ऐसी घटनाओं के बाद आमतौर पर सोशल मीडिया के मंचों पर महिला सशक्तिकरण के पक्ष में, महिलाओं के प्रति हो रहे अपराधों के खिलाफ आंदोलनों की, मृतक की आत्मा की शांति के लिए कैंडल मार्च जैसे कार्यक्रम आयोजित करने की कवायदों की बाढ़ सी आ जाती हैं। इसके साथ ही तथाकथित कवियों और कथाकारों को भी जैसे लिखने का मुद्दा मिल जाता हैं उनकी लेखनी तो जैसे संविधान बदलने को आतुर हो जाती हैं स सोशल मीडिया के ऑफ लाइन व ऑन लाइन मंच इस तरह की घटनाओं की भयावहता को दिखाते व वर्णित करते हैं उस पर बहस करते हैं और फिर एक–दो सप्ताह में सबकी जिम्मेदारियों का अंत हो जाता हैं फिर दूसरी खबरें चलने लगती हैं स ऐसा लगता हैं जैसे फिर किसी दूसरी घटना के होने का इंतजार किया जा रहा हो स फिर किसी स्त्री के साथ कुछ वीभत्स काण्ड होता हैं और फिर लाखों की संख्या में लोग सड़कों पर उतरते हैं, नारी सम्मान और अस्मिता की रक्षा के नाम पर सड़कें और प्लेटफार्म जाम करते हैं, तथाकथित महिला संस्थाएँ भाषणबाजी करती हैं, सरकारी व्यवस्था को चरमराने के लिए दिल से तोड़ फोड़ करती भीड़, किसी कमरे या टीवी चेनल के कमरे के कोने में बैठे हमारे समाज और संस्कारों के ठेकेदार सो–काल्ड नेता गला फाड़–फाड़ कर चिल्लाते हैं, फिर एक–सप्ताह का शोर उसके बाद शांति स कुछ दिनों की ये सक्रियता फिर विकास की अंधी दौड़ के अन्धकार में खो जाती हैं स कुछ नहीं बदलता, न विधिक व्यवस्था, न लोगों की सोच और न लोगों के कार्य ...... सब सामान्य हो जाता है, लोग भूल जाते हैं स इस पूरे संजाल में उपेक्षित, असहाय व भयभीत और अकेली रह जाती हैं स्त्रियों की सुरक्षा और उनकी अस्मिता स पैसा, पद, स्वार्थपूर्ति और लालच के कीचड़ में तेज गति से दौड़ने वाले ही वास्तव में इस तरह की घटनाओं का आधार बनाने वाले लोग हैं स ये बहुत योजनाबद्ध तरीकें से बलात्कार की घटनाओं को अंजाम देते हैं जिनकी न कहीं रिपोर्ट दर्ज होती हैं, न कहीं शोर होता हैं स ऐसे योजनाबद्ध बलात्कार होते हैं हमारे घरों में होते हैं स जहाँ पिता, बड़ाध्छोटा भाई या किसी निकट रिश्तेदारी का दबंग पुरुष अपनी हवास की पूर्ति के लिए या पैसा कमाने के लिए अबोध बालिकाओं के साथ बलात्कार करते हैं स उन बच्चियों को ये जानकारी भी नहीं होती कि उनका बलात्कार हुआ स पर उनकी आत्मा , उनके जीवन के रिश्ते वहीँ खत्म हो जाते हैं (निशि मंगला, 2012) स प्यार, दोस्ती और शादी के नाम पर लड़कियों के साथ होने वाले बलात्कारों से अखबार भरे रहते हैं ऐसी छिपी हुई बलात्कार की घटनाओं से इस अपराध की भयावहता कम नहीं होती स निकट परिजनों से बलात्कार पीड़ित महिलाएँ जिन्हें वेश्यावृति की राह में लाकर छोड़ दिया जाता हैं वो अपना पूरा जीवन अमानुषिक यातनाओं और दर्द में गुजारती हैं . रिपोर्ट की गई बलात्कार की घटनाओं में तो क्रूरता की सारी हदें पार कर दी जाती हैं, पीड़ित स्त्री का जीवन ही समाप्त कर दिया जाता हैं। वह मानवता की सारी लक्ष्मण रेखाओं को पार कर देते हैं। आज के भयपूर्ण माहौल में केवल स्त्री ही नहीं वरन उनका पूरा परिवार भयाक्रांत स्थिति में हैं स दिल्ली जैसे महानगर में जो कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र भी हैं वहाँ इस विषय में शोध करते कुछ आख्यान स्थिति की गंभीरता को दर्शाते हैं स शकुंतला मानी (65 वर्ष, रिटायर्ड प्रिंसिपल) कहती हैं कि बेटियाँ रात को उठ कर नहीं खाती, न ज्यादा खर्च करती हैं। बल्कि बेटों से ज्यादा प्यार और सेवा करती हैं फिर भी लोग बेटियाँ नहीं चाहते क्योंकि पहले लोग दहेज के मारे जला देते थे और अब दहेज का राक्षस बलात्कारी बन कर गलियों में डोल रहा हैं स ऐसे कोई तडपा कर मारे या कोई ससुराल वाले दुखी करे इससे तो अच्छा हैं कि गर्भ में ही मार दो. सोनाक्षी (27, सॉफ्टवेयर इंजिनीयर) कहती हैं कि बड़े भाई ने बाजार में किसी लड़के से बात करने पर मुझे और मम्मी को बहुत सुनाया यहाँ तक कह दिया कि ऐसे ही बलात्कार होते हैं लड़कियों के स नौकरी पर जाओ किसी से खास कर लड़के से बात करने की जरूरत नहीं हैं स जब कुछ होगा न तो मैं साथ नहीं दूंगा ऐसी आवारा बहन का स क्या त्रासदी हैं – 78 वर्ष परिपक्व भारतीय समाज दृ भय और हिंसात्मक दरिंदगी में भी औरत को पीड़ित करता हैं और दूसरी ओर परिवार के प्यार और सुरक्षा के नाम पर भी औरत को ही पीड़ित करता हैं स समाज और सरकार को "औरत ही पीड़ित और औरत को ही सजा" की इस विडंबनापूर्ण स्थिति को बदलना होगा स यदि स्थितियों को बदलने के गंभीर प्रयास नहीं किए गए तो या तो औरतों को अस्तित्व की मिट जायेगा या फिर फूलन देवी के इतिहास की पुनरावृत्ति समाज में दिखने लगेगी स दोनों ही स्थितियाँ सामाजिक संतुलन के लिए नकारात्मक हैं स आपराधिक मानसिकता वाले लोगों को समाज में किसी तरह की दया या छूट (कम उम्र के अपराधी) नहीं दी जानी चाहिए स इसके लिए कुछ कार्य सटीकता से किए जाने चाहिए स यथा दृ विधिक प्रक्रिया में तत्काल बदलाव करके बलात्कार के केसों का फास्ट ट्रैक अदालतों के माध्यम से एक माह के भीतर न्याय किया जाए स बलात्कारी के लिए फांसी की सजा का प्रावधान सुनिश्चित हो स ट्रायल सिर्फ इस बात के लिए हो कि अपराध से जुड़े और कितने लोग हैं जिससे कोई भी अपराधी सजा से बच न पाए स इसके साथ ही संवेदनशील समाज को भी इस अपराध को रोकने के लिए अहम् भूमिका निभानी होगी स परिवार के स्तर पर अपने बालकों (विशेष रूप से लड़कों को) के हिंसात्मक व्यवहार और नकारात्मक यौन प्रवृत्तियों का सटीक निरीक्षण करना और आवश्यकता पड़ने पर उन्हें उचित मार्गदर्शन दिलवाना परिवार की जिम्मेदारी हैं। अपनी बालिकाओं को भी समयानुसार उचित मार्गदर्शन दे स समाज में अपने आस पास के लोगों के शब्दों में, व्यवहारों में या आदतों मेमन कुछ भी अजीब या असामन्य दिखे तो तत्काल सचेत हो जाए व अन्यों को इसके बारे में अवश्य बताए स इस विषय पर बहुत जल्द बहुत कुछ किए जाने की आवश्यकता हैं स यहाँ अपनी बात को विराम देते हुए हम इस बात का पुरजोर समर्थन करते हैं कि इस प्रकार का अपराध करने वाले अपराधी को न्यायिक प्रक्रिया से कठोरतम दंड दिया जाए।

शेख हसीना की उपस्थिति को लेकर बढ़ती दुविधा

आदित्य

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना वाजेद के इस्तीफा देने और उनके खिलाफ बड़े पैमाने पर छात्र विरोध प्रदर्शन शुरू होने के बाद भारत भाग जाने के करीब एक महीने बाद, नई दिल्ली को ढाका में नए नेतृत्व के साथ संबंधों को संभालने के लिए बढ़ती दुविधा का सामना करना पड़ रहा है। नोबेल पुरस्कार विजेता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व में, बांग्लादेश में अंतरिम सरकार जिसने सुश्री वाजेद के निष्कासन के बाद सत्ता संभाली, ने उनका राजनयिक पासपोर्ट रद्द कर दिया है। इससे उनके लिए औपचारिक रूप से शरण दिए बिना लंबे समय तक किसी भी देश में रहना मुश्किल हो गया है। उस देश की प्रमुख विपक्षी पार्टी बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी ने भारत से सुश्री वाजेद को वापस ढाका भेजने के लिए कहा है, जहां उन पर कई मामलों में आरोप हैं, जिनमें आंदोलन के दौरान प्रदर्शनकारियों की मौत का मामला भी शामिल है, जिसके कारण अंततः उन्हें हटा दिया गया। बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के विदेश नीति सलाहकार ने कहा है कि ढाका सुश्री वाजेद के औपचारिक प्रत्यर्पण की मांग कर सकता है बांग्लादेश से नई दिल्ली पर सुश्री वाजेद को सौंपने के लिए दबाव डालने की बढ़ती मांग के बीच भारत ने वही किया है जो वह अक्सर मुश्किल परिस्थितियों में करता हैरू चुप रहना। भारत के लिए कोई आसान समाधान नहीं है। सुश्री वाजेद लंबे समय से एक मजबूत सहयोगी रही हैं, जिनके शासन में नई दिल्ली और ढाका के बीच संबंध काफी मजबूत हुए हैं। भारत के अन्य मित्र और साझेदार इस बात पर कड़ी नजर रखेंगे कि नई दिल्ली उनके साथ खड़ी है या नहीं। अगर नई दिल्ली उन्हें ढाका की नई सरकार को मुकदमा चलाने के लिए सौंप देती है, तो भारत अन्य सहयोगियों के साथ अपनी विश्वसनीयता खो देगा। दूसरी ओर, सुश्री वाजेद का भारत में बने रहना नई दिल्ली के बांग्लादेश के साथ संबंधों में एक घाव बना हुआ हैय यह उस गहरे अविश्वास की भी याद दिलाता है जो अब उस रिश्ते को नुकसान पहुँचा रहा है। बांग्लादेश की सड़कों पर, भारत को अक्सर सुश्री वाजेद के 15 साल के शासन को सहारा देते हुए देखा जाता है, जब विपक्ष के कई लोगों ने उन पर सत्तावादी व्यवहार करने का आरोप लगाया और यहाँ तक कि चुनावों का बहिष्कार भी किया। आज, भारत विरोधी षड्यंत्र के सिद्धांत – बांग्लादेश में आई विनाशकारी बाढ़ के लिए भी नई दिल्ली को दोषी ठहराना – भारत के पूर्वी पड़ोसी में आसानी से पनप रहे हैं।

प्रतिभाशाली न्यायाधीशों को मिलेंगे बेहतर अवसर

हरबंश

लंबित मुकदमों की बढ़ती संख्या पर एक बार फिर गंभीर चिंता व्यक्त की गई है। बीते एक सितंबर को संपन्न जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ तथा केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने एक स्वर में शीघ्र और सुलभ न्याय सुनिश्चित करने पर बल दिया। प्रधान न्यायाधीश चंद्रचूड़ ने न्यायिक सेवाओं के लिए राष्ट्रीय स्तर पर भर्ती प्रक्रिया की पैरवी करते हुए कहा कि अब समय आ गया है, जब क्षेत्रवाद और राज्य केंद्रित चयन की संकीर्ण सीमाओं से आगे बढ़ा जाए। पहले भी अखिल भारतीय न्यायिक सेवा की जरूरत को ध्यान में रखते हुए सुझाव आते रहे हैं। विधि आयोग वर्ष 1958 और वर्ष 1978 में दो अलग– अलग संस्तुतियों के माध्यम से इसके लिए सुझाव दे चुका है। आयोग का मत था कि इससे अदालतों में लंबित मुकदमों के समयबद्ध निस्तारण में आसानी होगी, न्यायिक–संरचना अधिक पारदर्शी तथा क्रमबद्ध हो जाएगी और उसके परिणामस्वरूप मुकदमों का तेजी से निपटारा होगा और आम लोगों का उन पर भरोसा बढ़ेगा। संसद की श्लोक शिकायत, कानून तथा न्याय की स्थायी समितिश ने भी वर्ष 2006 में इस विषय पर सुझाव दिया था। इसके अलावा, इस समिति ने एक मसौदा भी तैयार किया था, किंतु वह आगे नहीं बढ़ पाया। सर्वोच्च न्यायालय ने भी कई मौके पर इस संबंध में सुझाव और निर्देश दिया था। सबसे पहले वर्ष 1992 में श्ऑल इंडिया जजेज एसोसिएशन बनाम भारत संघश में सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के गठन के लिए जरूरी कदम उठाने का निर्देश दिया था। उसके बाद फिर वर्ष 1993 में इस पर जरूरी पहल करने की जिम्मेदारी सरकार के विवेक पर छोड़ दी गई। फिर 2017 में सुप्रीम कोर्ट ने इस विषय का स्वतः संज्ञान लेते हुए न्यायाधीशों के चयन के लिए एक केंद्रीय व्यवस्था के निर्माण करने का सुझाव दिया, किंतु अब तक इस पर कोई ठोस पहल नहीं की जा सकी है। लोकशाही में उसके सभी उपांगों की विश्वसनीयता उनकी सबसे बड़ी पूंजी होती है। अदालतों के मामले में तो यह अपेक्षाकृत अधिक महत्वपूर्ण होती है, क्योंकि यह उनकी एकमात्र पूंजी होती है। जनता के बीच उनकी साख और आम लोगों के मन में उसके प्रति सम्मान ही उसकी ताकत की गंगोत्री होती है। इसलिए उन्हें अपेक्षाकृत अधिक सजग रहने की जरूरत होती है। मुकदमों का अंबार, उनके निस्तारण में देरी तथा पारदर्शिता से जुड़ी अपेक्षाएं न्यायपालिका की साख को सबसे अधिक प्रभावित कर रही हैं। पारदर्शिता के प्रति आग्रही समाज में गैर–जरूरी गोपनीयता कई बार अविश्वास के काल्पनिक कारणों तथा आधारों को तैयार करने की पृष्ठभूमि बनाता है। कॉलेजियम व्यवस्था की गोपनीयता के कारण अब उन पर भी प्रश्न उठने लगे हैं। उच्च न्यायालय और सर्वोच्च न्यायालय के कुछ वर्तमान न्यायाधीशों ने भी उस पर सवाल उठाए हैं। ये सभी तथ्य ऐसे हैं, जो अखिल भारतीय न्यायिक सेवाओं के पक्ष में पर्याप्त आधार तैयार करते हैं। न्यायपालिका के अखिल भारतीय सेवा के पक्ष में यह कहा जा रहा है कि यह पूरे देश के लिए एक ऐसी पारदर्शी चयन प्रक्रिया होगी, जिसमें प्रतिभाशाली युवाओं को मौका मिलेगा। इसमें समाज के सभी वर्गों तथा महिलाओं को उचित प्रतिनिधित्व मिलेगा। चूंकि यह चयन राष्ट्रीय स्तर पर होगा, इसलिए इसमें सबसे अच्छे लोगों के चयन की एक परंपरा विकसित होगी। मुकदमों की बढ़ती संख्या का एक कारण यह भी है कि हमारे यहां न्यायाधीशों की बहुत कमी है। अमेरिका में जहां हर 10 लाख आबादी पर 107 न्यायाधीश हैं, वहीं हमारे यहां इतनी आबादी पर मात्र 21 न्यायाधीशों के पद ही सृजित हैं। अलग– अलग राज्यों में उनके चयन की प्रक्रिया में अक्सर देरी होती रहती है, जिसके कारण कुल 25,246 स्वीकृत पदों के सापेक्ष केवल 19,858 न्यायाधीश ही कार्य कर रहे हैं। नेशनल कोर्ट मैनेजमेंट सिस्टम की रिपोर्ट के अनुसार, मुकदमों के दायर होने की वर्तमान दर के मुताबिक 2040 में कुल 15 करोड़ मुकदमे लंबित होंगे, जिनके निस्तारण के लिए 75,000 न्यायाधीशों की जरूरत होगी। विभिन्न राज्य

सरकारों की मौजूदा कार्य पद्धति को देखते हुए यह संभव नहीं लगता।

अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के

गठन से इस चुनौती से निपटना आसान हो जाएगा, संविधान के अनुच्छेद 312 में अखिल भारतीय न्यायिक सेवा के बारे में कहा गया है कि इसके द्वारा चयनित व्यक्ति जिला न्यायाधीशों के समकक्ष होगा। यह पद जब केंद्रीय स्तर पर भरा जाएगा, तो केंद्र सरकार से जरूरी पदों के सृजन और उनकी चयन–प्रक्रिया को पूरा करने के लिए दबाव बनाना आसान होगा। जिस तरह से अन्य भारतीय सेवाओं के लिए आबादी के अनुपात में पदों का सृजन होता है, उसी तरह यहां पर भी यह काम आसान हो जाएगा और आबादी तथा मुकदमों के अनुपात में न्यायाधीशों की संख्या हो जाने से मुकदमों का बोझ कम होगा।

इस समय न्यायपालिका में चयन के लिए दो पद्धतियां हैं। जिला अदालतों के लिए लिखित परीक्षा तथा साक्षात्कार के माध्यम से चयन होता है। उच्च न्यायालयों के 25 प्रतिशत पद इन न्यायिक अधिकारियों की प्रोन्नति से, जबकि शेष पद अधिवक्तागण में से कॉलेजियम द्वारा भरे जाते हैं। जिला अदालतों के लिए लिखित परीक्षा के माध्यम से न्यायिक सेवा में आने वाले न्यायाधीशों के उच्च न्यायालय तक पहुंचने की संभावना बहुत कम होती है। सुप्रीम कोर्ट तक उनके पहुंचने की तो कल्पना करना भी कठिन है।

ग्राम संपर्क कार्यक्रम के तहत दीनकापुर झरौरा बीकेटी तहसील लखनऊ के प्राथमिक विद्यालय में मौलिक अधिकार और कर्तव्यों पर कार्यशाला का सफल आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। ग्राम संपर्क कार्यक्रम के अंतर्गत प्रो बोनो क्लब, विधि संकाय द्वारा दिनांक 04/09/2024 को दीनकापुर झरौरा, बीकेटी लखनऊ के प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 8 तक के छात्रों के लिए मौलिक अधिकार और कर्तव्यों पर एक विशेष कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्र के छात्रों को भारतीय संविधान द्वारा प्रदत्त उनके मौलिक अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक करना था। प्रभारी डॉ. आलोक कुमार यादव के नेतृत्व और मार्गदर्शन में इस कार्यक्रम का आयोजन हुआ। कार्यशाला की शुरुआत छात्रों को संविधान के मूलभूत सिद्धांतों और उनके महत्व की जानकारी देने से हुई। इस दौरान छात्रों को बताया गया कि किस प्रकार संविधान ने उन्हें शिक्षा, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, समानता का अधिकार आदि जैसे महत्वपूर्ण अधिकार प्रदान किए हैं। साथ ही, उन्हें उनके कर्तव्यों के बारे में भी बताया गया, जो एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उनका पालन करना आवश्यक है। इस कार्यक्रम में विधि संकाय के प्रमुख और डीन प्रो. डॉ. बी.डी. सिंह ने अपने संदेश के माध्यम से छात्रों को शुभकामनाएं दीं और इस प्रकार के जागरूकता अभियानों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यशालाओं के माध्यम से ग्रामीण छात्रों को उनके अधिकारों और कर्तव्यों के बारे में जानकारी देना अत्यंत महत्वपूर्ण है, जिससे वे समाज में जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बन सकें। कार्यशाला में छात्र समन्वयक सुमित सिंह, वंशिका गौर, अनुष्का, श्रेयशी, ओमकार और नित्यानंद ने भी सक्रिय रूप से भाग लिया और छात्रों को जानकारी प्रदान करने में सहयोग किया। जिससे वे अपने अधिकारों के प्रति सजग हो सकें और समाज में सकारात्मक योगदान दे सकें। कार्यक्रम के अंत में, छात्रों ने उत्साहपूर्वक सवाल पूछे और मौलिक अधिकारों व कर्तव्यों के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त की। इस तरह की कार्यशालाओं के माध्यम से विधि संकाय का प्रो बोनो क्लब ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता फैलाने का प्रयास कर रहा है, ताकि समाज के सभी वर्गों को संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों और कर्तव्यों की जानकारी हो सके।

युवक ने फांसी लगाकर मौत को गले लगाया

'ब्यूरो रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

शाहजहांपुर। सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के गांव इटोरा के मजरा बंजर निवासी 44 वर्षीय अखिलेश गुप्ता पुत्र राजकुमार गुप्ता आर्थिक तंगी तथा बीमारी से परेशान होकर बुधवार की दोपहर समय करीब 2रू30 बजे घर के पीछे खड़े बेरी के पेड़ से प्लास्टिक की रस्सी को गले में बाँधकर आत्महत्या कर ली। घटना की जानकारी लगते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले पर जांच शुरू कर दी है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल भिजवाया है। मृतक अपने पीछे पिता राजकुमार पत्नी पुष्पा देवी तथा 9 बच्चों में 16 वर्षीय पुत्री सुनैना , 14 वर्षीय तन्नू , 10 वर्षीय पलक , 4 वर्षीय आरती और पुत्रों में 15 वर्षीय आजाद , 10 वर्षीय मोती, 11 वर्षीय सुमित , 8 वर्षीय साहिल तथा 3 वर्षीय कृष्णा को रोता बिलखता छोड़ गया है।

सरदार पटेल और जावित्री इंस्टिट्यूट में आयुर्वेदिक और हर्बल पौधों का पौधारोपण

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। संस्था जी0एस0 सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी (हेल्पिंग हैंडस ग्रुप) लखनऊ के माध्यम से पौधारोपण कार्यक्रम जावित्री इंस्टिट्यूट ऑफ आयुर्वेदिक साइंसेस सेंटर कनकहा, मोहनलाल गंज, रायबरेली रोड, लखनऊ में आयोजित हुआ, पौधारोपण कार्यक्रम में जावित्री इंस्टिट्यूट की ओर से सभी प्रोफेसर और विद्यार्थीगण भारी संख्या में उपस्थित रहे, अभियान का शुभारंभ डॉ. सीमा सक्सेना प्रधानाचार्या (जावित्री इंस्टिट्यूट) द्वारा एक पौधारोपण के साथ हुईं,जिसमें सभी विद्यार्थियों ने एक पौधा अपनी माँ के नाम लगाकर आयुर्वेदिक पौधों की देखभाल के लिए शपथ ली।संस्था के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार जी ने श्रीमती सीमा सक्सेना (प्रधानाचार्या) को मोमेंटो देकर सम्मानित किया। इंस्टिट्यूट की ओर से सभी आयुर्वेदिक विभाग के सदस्य और भारी संख्या में बच्चों ने आयुर्वेदिक और हर्बल पौधों का पौधारोपण किया।सभी ने अपने हाथों से पौधारोपण करके एक पेड़ माँ के नाम लगाया,कार्यक्रम में शैक्षणिक संस्थान के प्रोफेसर और अध्ययनरत छात्राओं ने पौधारोपण में पूर्ण सहयोग प्रदान किया, संस्था जी0 एस0 सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष श्री वीरेंद्र कुमार जी ने कार्यक्रम में बच्चों को आयुर्वेदिक पौधों के पौधारोपण से वातावरण में होने फायदे के बारे में बताया और उनकी देखरेख करने के लिए भी सुझाव दिए । कार्यक्रम में संम्मिलित लोगों में सर्वश्री प्रवीण मिश्रा,वीरेंद्र कुमार जी, हिमांशु गुप्ता , ऋतिक श्रीवास्तव और आकाश सिंह के साथ साथ समस्त प्रोफेसर,बच्चों आदि ने पौधारोपण कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग प्रदान किया ।कार्यक्रम एक पौधा अपनी माँ के नाम को सफल बनाने में महासचिव श्री अरुण कुमार शुक्ला ने प्रधानाचार्य महोदया का हृदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

एडीजी रेलवे ने कैंट रेलवे व अयोध्या धाम रेलवे जंक्शन का किया निरीक्षण

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। एडीजी रेलवे उत्तर रेलवे लखनऊ अनुभाग प्रकाश डी ने बुधवार को थाना जीआरपी अयोध्या कैन्ट/चौकी जीआरपी अयोध्या का निरीक्षण किया गया।उन्होंने इन दोनों रेलवे स्टेशन पर मालखाना, बन्दीगृह का भी बारीकी से निरीक्षण कर वहां पर मौजूद अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिए।निरीक्षण के दौरान उन्होंने वहां पर साफ–सफाई को भी देखा। रेलवे स्टेशन अयोध्या कैन्टध्अयोध्या जंक्शन पर लगे बैग स्कैनर,प्लेटफार्मोंध्सर्कुलेटिंग एरिया,कर्मचारी बैरक,मेस आदि का भौतिकध्स्थलीय निरीक्षण कर वहां पर मौजूद अधिकारियों व कर्मियों को आवश्यक निर्देश दिया।जीआरपी स्टेशन अयोध्या कैंट,अयोध्या धाम जंक्शन का जायजा लेकर थाना व चौकी पर नियुक्त सभी अधिकारी व कर्मी को सैनिक सम्मेलन कर ब्रीफ किया।उनके समस्याओं के बारे में जानकारी लेकर उन्होंने रेलवे स्टेशन अयोध्या कैन्ट पर बने महिला हेल्प डेस्क का भी निरीक्षण किया।मिशन शक्ति अभियान के तहत अधिक से अधिक कार्यवाही किये जाने हेतु व्यापक प्रचार प्रसार एवं आपरेशन दृष्टि योजना के अन्तर्गत स्टेशन के आस–पास त्रिनेत्रध्सीसीटीवी कैमरा आमजन के सहयोगध्राजकीय अधिक से अधिक निगरानीध्घटना के अनावरण में सहयोग प्राप्त करने हेतु विशेष बल दिया।थाने पर नियुक्त उप निरीक्षक को उनके लम्बित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण अयोध्या की संवेदनशीलता के मद्देनजर थाना जीआरपी अयोध्या कैन्ट पुलिस को अयोध्या जंक्शन व अयोध्या कैन्ट के परिसर एवं आने–जाने वाली ट्रेनों में विशेष सतर्क दृष्टि बनाये रखने हेतु निरन्तर चेकिंग अभियान चलाये जाने हेतु निर्देशित किया।चौकी प्रभारी अयोध्या धाम उपनिरीक्षक सुशील कुमार मिश्रा, हेड कांस्टेबल जयदयाल, जय सिंह,आरक्षी रोहित यादव मनोज मिश्रा सहित अन्य अधिकारी व कर्मी मौजूद रहे।

पं0 दीनदयाल जन्म शताब्दी वर्ष पर प्रदेश स्तरीय सीनियर वर्ग महिला/पुरूष प्रतियोगिता का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। क्रीड़ा अधिकारी डॉ0 अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि खेल निदेशालय उ0प्र0, लखनऊ के निर्देशानुसार वर्ष 2024–25 में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रदेश स्तरीय सीनियर वर्ग महिलाध्पुरूष की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है जिसमें वाराणसी मण्डल की टीम प्रतिभाग करेगी। खेल निदेशालय से प्राप्त निर्देश के क्रम में मण्डल से सम्बन्धित जनपद के खिलाड़ी सीधे मण्डल स्तर पर आयोजित चयन परीक्षण में प्रतिभाग करेंगे। वाराणसी मण्डल के वॉलीबाल पुरूष का चयन परीक्षण 05 सितम्बर, टेबल–टेनिस पुरूष/महिला– 10 सितम्बर, जिम्नास्टिक पुरूष/महिला– 12 सितम्बर, कबड्डी पुरूष–13 सितम्बर, फुटबाल पुरूष–20 सितम्बर, बैडमिन्टन पुरूषध्महिला–24 सितम्बर, हैण्डबाल पुरूष– 28 सितम्बर, कबड्डी महिला– 03 अक्टूबर, बाक्सिंग पुरूष– 10 अक्टूबर, एथलेटिक्स पुरूष/महिला– 14 अक्टूबर, हॉकी पुरूष– 18 अक्टूबर, वॉलीबाल महिला– 19 अक्टूबर, कुश्ती पुरूष– 26 अक्टूबर, जूडो महिलाध्पुरूष– 04 नवम्बर, क्रिकेट पुरूष– 11 नवम्बर, हैण्डबाल महिला– 20 नवम्बर, हॉकी महिला– 22 नवम्बर तथा फुटबाल–महिला– 04 दिसम्बर, 2024 को डॉ0 भीमराव अम्बेडकर क्रीड़ा संकुल लालपुर, वाराणसी प्रातः 9 बजे से आयोजित किया जायेगा। जनपद के इच्छुक प्रतिभागी सीधे मण्डलीय चयन परीक्षण में प्रतिभाग कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल कार्यालय, जौनपुर या क्षेत्रीय खेल कार्यालय, वाराणसी में सम्पर्क कर सकते हैं।

2024 भाजपा का संगठन वर्ष है जिसके लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है – गिरीश यादव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारतीय जनता पार्टी जौनपुर और मछली शहर की जौनपुर के होटल मे सयुंक्त प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुये राज्य सरकार मे मंत्री गिरीश चंद्र यादव एव प्रदेश सह मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि भाजपा ने सबसे पहले डिजिटल सदस्यता अभियान 2014–15 मे शुरु किया था उस समय जिले मे 7 लाख लोग भाजपा के सदस्य बने थे जो भाजपा के जिले से लेकर बूथ स्तर तक पदाधिकारी शामिल रहे। 2024 भाजपा का संगठन वर्ष है जिसके लिए सदस्यता अभियान चलाया जा रहा है ऑनलाइन सदस्यता के लिए इस बार सभी को 88 00 00 2024 पर मिस्डकॉल देना है। जिसके बाद मैसेज द्वारा आपका सदस्यता कोड मिलेगा। इसी के साथ एक लिंक आयेगा जिस पर जाकर सभी को डिजिटल फार्म भरना होगा जिसको सबमिट करते ही सदस्य का सदस्यता कार्ड बनकर आ जायेगा। इस अभियान का शुभारम्भ दिनांक 02 सितम्बर 2024 को मा० प्रधानमंत्री जी को मा० राष्ट्रीय अध्यक्ष जी द्वारा सदस्य बनाकर किया गया है और प्रदेश में दिनांक 03 सितम्बर में मा० मुख्यमंत्री व प्रदेश अध्यक्ष और उप–मुख्यमंत्री द्वय द्वारा प्रदेश सदस्यता अभियान का शुभारम्भ किया गया। उन्होने आगे कहा कि प्रधानमंत्री जी द्वारा शुभारंभ करने के साथ ही दिनांक 2 सिम्बर सायं 5 बजे से 03 सितम्बर सायं 5 बजे तक उत्तर प्रदेश में 10 लाख लोग सदस्यता ग्रहण कर चुके थे। इसके बाद आज 04 सितम्बर को सदस्यता अभियान अपने जिलों में किया जा रहा है। प्रदेश सह मीडिया प्रभारी धर्मेंद्र सिंह ने बताया कि भाजपा सदस्यता अभियान का प्रथम चरण 02 सितम्बर से 25 सितम्बर 2024 तक चलेगा और द्वितीय चरण 01 अक्टूबर से 15 अक्टूबर 2024 तक चलेगा एव भाजपा की सक्रिय सदस्यता अभियान 16 अक्टूबर से 31 अक्टूबर 2024 तक चलेगा प्रत्येक बूथ पर 200 सदस्य बनाना है एक मोबाइल नंम्बर से एक ही सदस्य बन सकता है। सक्रिय सदस्यता के लिए प्रत्येक कार्यकर्ता कम से कम 100 सदस्य अवश्य बनायेगा। अगर कहीं पर नेटवर्क समस्या है वहां पर ऑफ लाइन सदस्य बनाया जा सकेगा। लेकिन सूचीबद्ध करके उनका नाम, मोबाईल नम्बर, भरकर सदस्य बनाया जाएगा सक्रिय सदस्य बनने के लिए 100 सदस्य बनाना एवं रू. 100 की धनराशि नमो ऐप के माध्यम से भुगतान करना होगा। सदस्य अभियान में प्रत्येक व्यक्ति एक प्रारूप दिया जाएगा, जिसको मिस्डकॉल कराने के बाद भरकर जिला कार्यालय के माध्यम से प्रदेश को भेजना होगा भाजपा की सदस्यता अभियान के लिए 11 से 17 सिम्बर तक घर–घर सम्पर्क करके सदस्यता करना है। 11 सितम्बर को प्रदेश पदाधिकारी और सभी जनप्रतिनिधि जैसे सांसद, विधायक, एमएलसी, मेयर, जिला पंचायत अध्यक्ष, ब्लॉक प्रमुख, जिला पंचायत सदस्य, बीडीसी सदस्य, नगर पालिका अध्यक्ष एवं नगर पंचायत अध्यक्ष जायेंगे। उन्होने आगे कहा कि 12 सितंबर को प्रदेश पदाधिकारी, पार्टी के मोर्चा कार्यकर्ता विशेष संपर्क के लिए निकलेंगे 11 से 17 सितंबर के बीच ही सभी कार्यकर्ता सभी बूथों पर जाकर संपर्क करेंगे। इसके लिए जिले के सभी शक्तिकेन्द्रों पर शक्तिकेन्द्र सदस्यता सहयोगी बनाये गये है जो कि वरिष्ठ पदाधिकरी हैं। वे सभी बूथों पर सदस्यता अभियान की मॉनीटरिंग करेंगे और कठिनाईयों को दूर करेंगे भाजपा की विशिष्ट सदस्यता अभियान में प्रमुख बाजारों, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन, कचहरी, कॉलेजों में कैम्प लगाकर, सभी सामाजिक संगठन, सभी सामाजिक वर्ग, युवा, महिला, उद्यमी, किसान, अधिवक्ता, रिटायर्ड अधिकारी कर्मचारी के पास जाकर कार्यकर्ता सदस्य बनायेंगे। उक्त अवसर पर एम एल सी बृजेश सिंह प्रिंसू जिला प्रभारी द्वय अशोक चौरसिया संतोष पटेल जिलाध्यक्ष द्वय पुष्पराज सिंह रामविलास पाल लोकसभा पूर्व प्रत्याशी कृपाशंकर सिंह ओमप्रकाश सिंह मनोरमा मौर्य जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह उपस्थित रहे।

हत्या व रंगदारी में वांछित पुलिस मुठभेड़ में एक बदमाश गिरफ्तार, एक फरार

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपर। पुलिस अधीक्षक डॉ अजय पाल शर्मा के निर्देश पर अपराधियों की धर पकड़ के लिए चलाए जा रहे अभियान के क्रम में मंगलवार देर रात दो थानों की संयुक्त पुलिस टीम की वाहन चेकिंग के दौरान मोटरसाइकिल सवार बदमाशो से मुठभेड़ हो गई।मुठभेड़ के दौरान बदमाशो और पुलिस के बीच चली गोली में एक बदमाश घायल हो गया वही उसका एक साथी मौके से अंधेरे का लाभ उठाकर फरार होने में सफल रहा। घायल बदमाश की तलाशी में पुलिस ने एक तमंचा,एक जिन्दा कारतूस,दो खोखा कारतूस,एक बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल तथा 700 रुपये नगद बरामद किया है। पकड़ा गया बदमाश रंगदारी व हत्या के प्रयास में वांछित था।

पुलिस के अनुसार थाना मड़ियाहूं व सिकरारा पुलिस टीम द्वारा चेकिंग अभियान चलाया जा रहा था।इसी दौरान सर्विलांस टीम के मैसेज पर थाना मड़ियाहूं क्षेत्र के मोकलपुर बाबागंज के पास मोटरसाइकिल पर दो बदमाशों के आने की सूचना मिली।पुलिस टीम द्वारा उन्हें रोकने का इशारा किया गया लेकिन पुलिस पर फायरिंग करते हुए मोटरसाइकिल सवार दोनो बदमाश भागने लगे।पुलिस ने जबाबी फायरिंग की जिसमे पैर में गोली लगने से एक बदमाश घायल हो गया तथा दूसरा साथी मौके से फरार हो गया।पुलिस की पूछताछ में घायल बदमाश ने अपना नाम विशाल मिश्रा पुत्र काशिनाश मिश्रा निवासी जलालपुर जौनपुर बताया।तलाशी में उसके पास से पुलिस ने एक तमंचा कारतूस बाइक व 700 रुपये नगद बरामद किया है।जबकि एक बदमाश नमन सिंह पुत्र अनिल सिंह निवासी ग्राम पहचान थाना सिकरारा मौके से फरार है जिसकी गिरफ्तार के लिए पुलिस टीम में लगा दी गई है।

इस संबंध में जानकारी देते हुए सीओ सदर परमानंद कुशवाहा ने बताया कि मुठभेड़ में घायल बदमाश विशाल मिश्रा रंगदारी व हत्या के प्रयास के थाना सिकरारा का वांछित अभियुक्त है।उसके ऊपर बिभिन्न थानों में लगभग एक दर्जन मुकदमे दर्ज है।घायल बदमाश को पुलिस अभिरक्षा में इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है अन्य विधिक कार्यवाही की जा रही है।

सैनिक विधवाओं की जो भी समस्या हो तत्काल कार्यालय पर बताएं उसका कराया जाएगा निस्तारण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास अधिकारी ने अवगत कराया है कि इस जनपद के भूत पूर्व सैनिक की विधवाओं की जो भी (आर्मी, एयरफोर्स एवं नेवी) के समस्या है, वो 15 दिन के अन्दर कार्यालय जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास जौनपुर में उपस्थित होकर अपनी समस्या को अवगत करा सकते है, जिससे त्वरित निस्तारण करवाया जा सके।

शिक्षक दिवस पर शिक्षकों के लिए श्री शारदा ग्रुप ऑफ इंस्टीटूशन में सम्मान समारोह का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। 5 सितंबर को शिक्षक दिवस के मौके पर हमारे शिक्षकों की महत्ता और उनके अद्वितीय योगदान को मान्यता देने के लिए एक विशेष सम्मान समारोह का आयोजन किया जाएगा। यह समारोह शिक्षकों के दिन के अवसर पर आयोजित किया जाएगा, जो हमारे समाज के उन नायकों को सम्मानित करने का एक विशेष दिन है, जिन्होंने हमें ज्ञान की राह दिखाई है और हमारे भविष्य को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस समारोह का आयोजन विद्यालय परिसर में मध्यान्ह 12 बजे से होगा। इस अवसर पर, प्रमुख शिक्षाविद, और विभिन्न शिक्षा संस्थानों के प्रतिनिधि उपस्थिति देंगे। समारोह में शिक्षकों को उनके उत्कृष्ट योगदान के लिए सम्मानित किया जाएगा और उनके प्रयासों की सराहना की जाएगी। विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता के लिए चयनित शिक्षकों को पुरस्कार और प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे साथ ही शिक्षकों के सम्मान में विशेष सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की जाएंगी। हम इस समारोह के माध्यम से अपने शिक्षकों को यह संदेश देना चाहते हैं कि उनके प्रयास और समर्पण हमारे समाज के लिए अनमोल हैं। यह दिन उनकी मेहनत और त्याग के प्रति हमारी कृतज्ञता व्यक्त करने का एक अवसर है।

साहिब श्री गुरु ग्रन्थ साहिब जी महाराज के 420 वाँ प्रकाश पर्व मनाया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पांडेय

लखनऊ। जुगो–जुग अटल साहिब श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी महाराज के 420वां प्रकाश पर्व सिख सेवक जत्थे एवं श्री गुरु सिंह सभा की ओर से ऐतिहासिक गुरूद्वारा श्री गुरु नानक देव जी नाका हिण्डोला लखनऊ में बड़ी श्रद्धा एवं सत्कार के साथ मनाया गया।

प्रातः का कार्यक्रम शबद चौकी से आरम्भ हुआ जिसमें पारम्परिक वेशभूषा में सुसज्जित पांच प्यारों की अगुवाई में पुरूष, महिलाएं व बच्चे फूलों से सुसज्जित भव्य पालकी साहिब में विराजमान श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी को अपने कन्धों पर उठाकर शबद कीर्तन,वाहिगुरू का जाप करते सुगन्धित इत्र व फूलों की बरखा कर रहे थे।

खालसा इण्टर कालेज के छात्र एवं गुरू नानक विद्यालय चन्दर नगर की छात्राएं अपनी–अपनी वर्दी में बैण्ड बाजों तथा मधुर धुने बजाकर संगत का मन लुभा रहे थे। शबद चौकी के मार्ग को गुब्बारों के साथ बड़ी खूबसूरती से सजाया गया था गुब्बारों, फूलों एवं बिजली की झालरों के साथ सजाए गये दीवान हाल में श्री गुरू ग्रन्थ साहिब का प्रकाश किया गया।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए स्टेज सेक्रेट्री सतपाल सिंह मीत ने बताया कि दिनांक 02 सितंबर 2024 को रखे गये श्री अखण्ड पाठ साहिब जी के पाठ की समाप्ति के उपरान्त रागी जत्था भाई राजिन्दर सिंह जी ने आसा दी वार का अमृतमयी कीर्तन गायन किया।

रागी जत्था भाई गुरमीत सिंह जी गुरुद्वारा आशियाना वालों ने अपनी मधुरबाणी में (1)– "सभ सिक्खन को हुकम है, गुरू मानिओ ग्रन्थ" (2) – बाणी गुरू गुरु है बाणी विच बाणी अमृत सारे। गुरबाणी कहे सेवक जन माने परतख गुरू निस्तारे।। शबद कीर्तन गायन कर समूह संगत को निहाल किया।

ज्ञानी गुरजिन्दर सिंह जी ने श्री गुरु ग्रन्थ साहिब में दर्ज बाणी का व्याख्यान किया। विशेष रूप से पधारे रागी जत्था भाई हरभेज सिंह जी वडाला हजूरी रागी श्री दरबार साहिब श्री अमृतसर साहिब ने (1)– ष्ऐसै गुरू कउन बलि बलि जाइये आप मुकतु मोहि तारैष (2)–ष्दम दम सदा समालदा दम न बिरथा जाए ष्शबद कीर्तन गायन संगत को मंत्र मुग्ध कर दिया। माता गुजरी सत्संग सभा की सदस्याओं एवं सिमरन साधना परिवार के बच्चों ने भी इस कार्यक्रम में शबद कीर्तन गायन किया।

लखनऊ गुरूद्वारा प्रबन्धक कमेटी के अध्यक्ष स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा जी ने सिख सेवक जत्थे द्वारा श्री गुरू ग्रन्थ साहिब जी के प्रकाश पर्व मनाये जाने एवं कार्यक्रमों के सहयोगी जत्थे बन्दियों की सराहना की और प्रकाश पर्व की बधाई दी। सिख सेवक जत्थे के अध्यक्ष स0 राजवन्त सिंह बग्गा, स0 कुलवन्त सिंह ने प्रकाश पर्व के अवसर पर पधारे रागी जत्थों, प्रचारक एवं समूह साध संगत का आभार प्रकट किया। संपूर्ण कार्यक्रम श्री गुरु सिंह सभा के महामंत्री हरमिंदर सिंह टीटू की देखरेख में संपन्न हुआ।

दीवान की समाप्ति के उपरान्त कुलदीप सिंह सलूजा एवं सिक्ख यंगमेन्स एसोसिएशन की देखरेख में दशमेश सेवा सोसाइटी के सदस्यों द्वारा गुरू का लंगर समूह संगत में वितरित किया गया, समागम में जल की सेवा सुखमनी साहिब सेवा सोसाइटी एवं हैप्पी मिलन वाटर द्वारा की गई।

सीएमओ ने मुंगरा बादशाहपुर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का किया औचक निरीक्षण

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुख्य चिकित्सा अधिकारी जौनपुर डॉ0 लक्ष्मी सिंह ने मुंगरा बादशाहपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पवारा का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर एवं अस्पताल के अंदर साफ सफाई की व्यवस्था संतोषजनक पाई गई। सभी आवश्यक दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता थी। तत्पश्चात मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने मछली शहर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुंवरपुर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने प्रभारी चिकित्सा अधिकारी को निर्देश दिया कि अस्पताल परिसर को साफ स्वच्छ रखें। वर्तमान समय में संचारी रोगों के प्रसार को रोकने के लिए बुखार के समस्त रोगियों की डेंगू एवं मलेरिया, टाइफाइड इत्यादि की जांच अवश्य कराएं। फीवर ट्रैकिंग रजिस्टर अपडेट करते रहें ताकि किसी भी क्षेत्र में अधिक बुखार के रोगियों की सूचना पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

भाजपा मंडल अध्यक्ष के भतीजे को गोली मारकर हत्या हुई

सुल्तानपुर। जिले में अपराध रुकने का नाम ही नही ले रहा, शहर के पयागीपुर चौराहे पर सरेशाम भाजपा मण्डल अध्यक्ष के भतीजे को मारी गई गोली, मौत। घटना को अंजाम देकर हमलावर हुए फरार, सनसनीखेज वारदात। चौक घंटा घर में डकैती, सीताकुंड में गोलीकांड के बाद सप्ताह भर में दिनदहाड़े तीसरी कानून व्यवस्था को चुनौती देने वाली वारदात।नगर कोतवाली क्षेत्र के पयागीपुर चौराहे का मामला। एएसपी, सीओ सिटी, नगर कोतवाल समेत भारी पुलिस बल मौके पर, पुलिस अधीक्षक सोमेन वर्मा भी पहुंचे मेडिकल कॉलेज की इमरजेंसी। नगर कोतवाल ए.के द्विवेदी बोले, दो युवाओं के बीच हुई कहासुनी, दोनों कोतवाली देहात थाना क्षेत्र के। गिरफ्तारी के लिए शुरू किए गए प्रयास, तहरीर पर दर्ज किया जाएगा मुकदमा।

प्रधानमंत्री फसल बीमा से किसानों के चेहरे पर खुशी

हरदोई(अंबरीष कुमार सक्सेना)

भारत एक कृषि प्रधान देश है, यहां कृषि के निमित्त मौसमी व बारहमासी फसलों में लगभग 66 प्रतिशत जनसंख्या कृषि कार्यों में लगी रहती है जहाँ कृषि से उसे रोजगार मिलता है। भारतीय अर्थव्यवस्था के आर्थिक विकास में कृषि की सफलता देश को आर्थिक प्रगति के मार्ग की तरफ अग्रसर करती है। देश के सकल घरेलू उत्पाद में भी कृषि क्षेत्र का लगभग 20 प्रतिशत योगदान है। देश के विकास में चल रही योजनाओं की सफलता में भी कृषि का योगदान होता है। मनुष्य को जीवन जीने के लिए भोजन की आवश्यकता होती है। आज बढ़ती हुई जनसंख्या के लिए भी जमीन से उत्पन्न होने वाली विभिन्न फसलों के अधिक उत्पादन की आवश्यकता है। विभिन्न उद्योग–धन्धे, व्यवसाय भी कृषि पर आधारित होते हैं। ऐसे में किसानों की फसलों को दैवीय आपदाओं से होने वाले नुकसान की भरपाई करना जरूरी हो गया।

किसानों के हित में प्रदेश सरकार अनेकों कल्याणकारी एवं फसलोत्पादन में लाभकारी योजनायें संचालित कर उनकी आय दोगुनी करने में भरपूर सहयोग दे रही है। किसान वर्ष भर मेहनत कर खेत की जुताई. बुआई, निकाई, सिंचाई एवं खाद डालकर फसल तैयार करता है। फसलों में विशेषकर खरीफ व रबी की फसलें होती है। खेती किसानी में किसान के पूरे परिवार की मेहनत लगती है। समर्पित एवं कड़ी मेहनत करते हुए परिवार को अच्छे ढंग से पालन पोषण की आशा बनाये रखकर किसान फसल तैयार करता है। किन्तु यदि अधिक वर्षा, आँधी, तूफान, पाला, बर्फबारी, ओले, कीट, फसलरोगो, आग आदि दैवी आपदा आ गई और फसल नष्ट हुई तो किसान की पूरी मेहनत और लागत बरबाद हो जाती है। ऐसी स्थिति में किसान सडक पर आ जाता है, उसकी समस्त कमाई नष्ट हो जाती है। सिर पर हाथ रखकर रोने के सिवा किसान के पास कुछ नहीं होता। ऐसी स्थितियों को दृष्टिगत रखते हुए किसानों की आपदा के दौरान नष्ट हुई फसल की क्षतिपूर्ति करने और किसानों को सम्बल प्रदान करने के लिए ही भारत सरकार के प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का जनवरी 2016 से शुभारम्भ किया है। इस योजना के लागू होने से किसानों को बड़ी राहत मिली है। जो किसान ऋणध्उधार पैसे लेकर खेती में लगाते थे, उन्हें इस योजना से बड़ा फायदा हो रहा है तथा उनकी आय में स्थायित्व भी आ रहा है। भारत सरकार की यह योजना उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों में ग्राम पंचायत स्तर पर लागू किया गया है।

इस योजना में ऋणी कृषक अनिवार्य रूप से तथा अन्य कृषक स्वैच्छिक आधार पर सम्मिलित किये गये हैं। बीमित राशि को फसल के उत्पादन लागत के बराबर जनपद स्तर पर अधिसूचित किया गया है। सभी फसलों हेतु वास्तविक प्रीमियम दर लागू किये गये हैं। प्रीमियम मद में कृषक की देयता को खरीक फसल में अधिकतम 2 प्रतिशत तथा रबी फसल में अधिकतम 1.5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। नकदी व औद्यानिकी फसलों हेतु प्रीमियम मद में कृषक की देयता अधिकतम 5 प्रतिशत निर्धारित किया गया है। कृषक द्वारा वहन किये जाने वाले प्रीमियम अंश से अधिक व वास्तविक प्रीमियम दर अन्तर की समस्त धनराशि को अनुदान के रूप में केन्द्र राज्य द्वारा बराबर वहन किया जाता है। प्रदेश के प्रत्येक जनपद में फसल की उत्पादन लागत के अनुरूप बीमित राशि निर्धारित की गई है।

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना अन्तर्गत वर्ष 2017–18 से वर्ष 2024–25 में खरीफ 2024 तक कुल 287.71 लाख बीमित कृषकों द्वारा 255.36 लाख हेक्टे० क्षेत्र में फसलो का बीमा कराया गया।

चकेरी में फायरिंग मामले में भाजपा नेता समेत 28 पर केस दर्ज

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में चकेरी के काजीखेड़ा में वर्चस्व को लेकर दबंगों द्वारा फायरिंग कर एक युवक को घायल करने के मामले में पुलिस ने भाजपा नेता समेत 28 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में दबिश दे रही है। सोमवार शाम काजीखेड़ा निवासी रोहित गौतम सैलून में दाढ़ी बनवा रहा था। इस दौरान सफीपुर निवासी बुग्गा नाम का युवक अपने साथियों के साथ वहां आया

और उसपर फायर झोंक दिया था। बचने के लिए हाथ बढ़ाने पर रोहित की एक उंगली उड़ गई थी। पुलिस ने रोहित की तहरीर पर आरोपी बुग्गा, भाजपा नेता अंशू गुप्ता, राजू पागल व 25 अज्ञात पर मुकदमा दर्ज किया है। बता दें कि अंशू गुप्ता ने इससे पहले भी विधानसभा अध्यक्ष के घर के पास मारपीट के मामले में आरोपी को पकड़ने गई पुलिस से धक्का मुक्की की थी और आरोपी को छुड़वा लिया था। धक्का मुक्की का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था लेकिन सत्ता पक्ष के चलते पुलिस ने उस समय भी कोई कार्रवाई नहीं की थी। थाना प्रभारी अशोक दुबे ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

तंत्र-मंत्र से घरवाले करा रहे थे इलाज, फंदे पर लटकी मिली युवती की लाश

एटा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के एटा में कोतवाली नगर क्षेत्र में सोमवार की देर शाम एक युवती ने फंदा लगा लिया। परिजन गंभीर हालत में लेकर मेडिकल कॉलेज आए। यहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृतका की मां ने बताया कि बेटी काफी समय से मानसिक रूप से परेशान चल रही थी। लंबे समय से उसका तंत्र-मंत्र से उपचार चल रहा था। कोतवाली नगर के गांव गंगनपुर निवासी मनोज कुमार ने बताया कि उनकी बेटी गीता (19) काफी समय से परेशान चल रही थी। सोमवार को घर पर कोई नहीं था, उसकी मां नहाने गई थी।

तभी वह कमरे में गई और साड़ी का फंदा लगाकर लटक गई। जानकारी मिली तो दरवाजा तोड़कर उसको फंदे से उतारा। इसके बाद उसे लेकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे। यहां चिकित्सक ने मृत घोषित कर दिया। मृतका की बुआ मिथलेश ने बताया कि बेटी गीता अक्सर बीमार रहती थी। जिसके कारण वह मानसिक रूप से भी परेशान रहने लगी थी। पिछले कई वर्ष से तंत्रमंत्र की प्रक्रिया से उसका उपचार चल रहा था। सोमवार को घर पर कोई नहीं था तो उसने यह कदम उठा लिया। फंदा लगाकर जान दे दी। परिजन बिना पोस्टमार्टम कराए ही शव को अपने साथ ले गए। थाना प्रभारी राजेश चौहान का कहना है कि मामले में किसी प्रकार की कोई तहरीर नहीं मिली है। मिलती है तो जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

बाराबंकी में जंगली जानवर के हमले में तीन लोग जख्मी

बाराबंकी, संवाददाता। बाराबंकी जिले के थाना जैदपुर इलाके में नहर किनारे बकरी चराने गई दो बच्चियों पर जंगली जानवर ने हमला कर दिया। हमले में एक को गंभीर चोटें आईं। वहीं, पड़ोस के बोजा गांव में एक ग्रामीण भी जंगली जानवर के हमले में घायल हुआ। ग्रामीणों की ओर से भेड़िए द्वारा हमला किए जाने की आशंका जताई जा रही है। हालांकि वन विभाग सियार का हमला होने की बात कह रहा है। फिलहाल कांबिंग की जा रही है। थाना जैदपुर क्षेत्र के गोछौरा गांव के अहमद अली की पुत्री रिजवाना (10) व सब्बीर की पुत्री चांदनी (15) मंगलवार की सुबह करीब 11 बजे गांव से करीब 400 मीटर दूर चंदौली माइनर किनारे बकरी चराने के लिए गई थीं। इस दौरान जंगली जानवर ने दोनों पर हमला बोल दिया। जानवर ने रिजवाना के चेहरे को नोच लिया और उसके एक हाथ की अंगुली काट ली। चांदनी ने शोर मचाया तो जानवर ने उसके पैर में नोच लिया। शोर सुनकर ग्रामीण मौके पर पहुंचे, लेकिन तब तक जानवर भाग चुका था। आनन-फानन परिजन रिजवाना को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सतरिख लेकर गए, जहां से उसे जिला अस्पताल भेजा गया। यहां रिजवाना का इलाज चल रहा। घायल चांदनी के मुताबिक बकरी के आकार का जानवर था। ग्रामीण भेड़िया होने की आशंका जता रहे हैं। ऐसे में ग्रामीणों में दहशत व्याप्त है। ग्रामीणों का कहना है कि वन विभाग व पुलिस की टीम रात में भी गांव में रुके। उधर, पड़ोस के बोजा गांव के महादेव (45) को भी जंगली जानवर ने हमला कर जख्मी किया है। सूचना पर वन दारोगा सचिन पटेल, एसआई आलोक कुमार सिंह पुलिस व वन कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे और छानबीन की।

लखनऊ-कानपुर हाईवे पुल पर अब भरें फर्राटा

उन्नाव, संवाददाता। उन्नाव जिले में लखनऊ-कानपुर हाईवे स्थित गदनखेड़ा बाईपास चौराहा पर पुल बनकर तैयार हो गया है। सोमवार को डिवाइडर पर ग्रिल लगाने का काम शुरू हुआ। प्रोजेक्ट मैनेजर के अनुसार, मंगलवार को ये काम भी हो जाएगा और बुधवार से पुल को यातायात के लिए खोल दिया जाएगा। लखनऊ-कानपुर हाईवे को गदनखेड़ा बाईपास चौराहा पर उन्नाव-लालगंज (रायबरेली) हाईवे क्रॉस करता है। लखनऊ-कानपुर हाईवे पर अत्यधिक यातायात होने से रोजाना कई बार जाम लगता है। लगभग हर दूसरे दिन कोई न कोई हादसा होता है। केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने लोगों की मांग पर इस बाईपास चौराहे पर उपरगामी सेतु के निर्माण को मंजूरी दी थी। 2021 में इसके निर्माण शुरुआत हुई। पुल की कुल लंबाई 1640 मीटर है और इसे बनाने में करीब 64 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। कई बार समय सीमा बढ़ने के बाद आखिरकार निर्माण एजेंसी पीएनसी ने काम पूरा कर लिया है। हालांकि पहले जुलाई और फिर अगस्त तक काम पूरा करने का दावा किया गया था, लेकिन बारिश और पुल से पहले कानपुर की तरफ नहर पुल को चौड़ा करने के काम में देरी हुई। इसके बाद नमी के कारण डामरीकरण का काम रुक गया। हालांकि अब यह दोनों काम पूरे हो गए हैं। अब पुल के डिवाइडर में लोहे की ग्रिल लगाने का काम चल रहा है। पीएनसी के प्रोजेक्ट मैनेजर अशोक कुमार ने बताया कि ग्रिल लगाने का काम मंगलवार तीन सितंबर को पूरा कर लिया जाएगा। चार सितंबर से पुल पर वाहन दौड़ने लगेंगे।

काफी जद्दोजहद के बाद मंजूर हुआ था पुल

वर्ष 2020 में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने गदनखेड़ा बाईपास चौराहा पर पुल निर्माण को मंजूरी दी थी। हालांकि पुल नवनिर्मित उन्नाव-लालगंज (रायबरेली) हाईवे (एनएच-31) के लिए मंजूर हुआ था, लेकिन इस हाईवे पर पुल बनने से शहर के अस्पताल रोड तक करीब डेढ़ हजार मकान प्रभावित हो रहे थे। स्थानीय लोगों ने गदनखेड़ा संघर्ष समिति बनाई और एकजुट होकर पुल को लालगंज हाईवे के बजाए लखनऊ-कानपुर हाईवे (एनएच-27) पर बनाने की मांग की। काफी दिनों तक जद्दोजहद चलती रही। सांसद साक्षी महाराज ने लोगों को समस्या हल कराने का आश्वासन दिया और केंद्रीय मंत्री से मिलकर पुल को लखनऊ-कानपुर हाईवे पर बनाने की स्वीकृति दिलाई।

रोज औसतन 30,000 वाहनों का आवागमन

लखनऊ-कानपुर हाईवे के इस गदनखेड़ा चौराहे पर 24 घंटे में छोटे-बड़े औसतन 30,000 वाहनों का आवागमन होता है। उन्नाव-रायबरेली और लखनऊ-कानपुर हाईवे का मुख्य चौराहा होने से यातायात दिन-रात व्यस्त रहता है। इधर अक्टूबर 2023 से लखनऊ- कानपुर एलिवेटेड एक्सप्रेसवे का निर्माण शुरू होने से वाहनों के हाईवे से लखनऊ जाने पर रोक है। इस डायवर्जन प्वाइंट पर कई बार घंटों जाम लगता है।

डीएम की सख्ती का दिखा असर

डीएम गौरांग राठी ने हाईवे पर जाम की समस्या को हल करने के लिए स्थलीय निरीक्षण किया था। उन्होंने गदनखेड़ा बाईपास चौराहा को 20 मीटर चौड़ा करने के साथ ही सर्विस लेन की चौड़ाई बढ़ाने के लिए कहा था। उन्होंने पीएनसी के अधिकारियों को बुलाकर पुल निर्माण कार्य में सुस्ती पर नाराजगी जताते हुए काम में तेजी लाने का निर्देश दिया था। इसके बाद सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में लगातार प्रगति समीक्षा की और काम में तेजी आई।

लेदर कारोबारी से 50 लाख की ठगी, चचेरे भाइयों पर मुकदमा

कानपुर, संवाददाता। कानपुर में जाजमऊ निवासी लेदर कारोबारी से हाथरस निवासी चचेरे भाइयों ने 50 लाख की ठगी कर ली। कारोबारी की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा

दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ग्वालटोली नवाब कंपाउंड निवासी शाहिद मकबूल लेदर कारोबारी हैं। उनकी जाजमऊ में क्वालिटी चप्पल नाम से फर्म है। शाहिद ने बताया कि हाथरस के सिकंदरा राव निवासी चचेरे भाई इकरार और मो मुकीम के साथ उनके व्यापारिक संबंध हैं। 28 अगस्त को इकरार उनसे मिलने आया। इस दौरान चचेरे भाई मुकीम ने फोन कर कहा कि इकरार से उनकी बात नहीं हो पा रही है इसलिए अपने मोबाइल से बात करा दें। इसके बाद मकबूल ने इकरार को अपना फोन दे दिया। आरोप है कि वह बात करता हुआ फैक्ट्री के बाहर चला गया और कुछ देर बाद लौटा तो मोबाइल की स्क्रीन टूटी थी। इस पर उन्होंने उसे मरम्मत के लिये भेजा। अगले दिन फोन बनकर आया तो देखा कि उनके स्टेट बैंक के चालू खाते से 50 लाख रुपये मेसर्स रिजवा हैंडीक्राफ्ट में ट्रांसफर हुए हैं। इस फर्म का प्रोपराइटर मुकीम ही है। उन्होंने स्टेट बैंक में शिकायत की, जिसके बाद खाता फ्रीज कर दिया गया। जाजमऊ थाना प्रभारी अजय प्रकाश मिश्र ने बताया कि भाइयों के खिलाफ रिपोर्ट दर्जकर कार्रवाई की जा रही है। हालांकि मुकीम ने रकम हड़पने के आरोप को गलत बताया है।

15 करोड़ का बजट फिर भी अटका थानों का निर्माण

बाराबंकी, संवाददाता। अपराध रोकने व पुलिस व जनता के बीच दूरी कम करीने के लिए जिले के लिए सूरतगंज और माती में नए थाने खुलने हैं। 64 पुलिसकर्मियों के पद भी सृजित हो चुके हैं। बजट भी स्वीकृत है मगर डेढ़ साल का लंबा समय सिर्फ मिट्टी की जांच पूरी करने में ही लग गया। कार्यदायी संस्था की ओर से अभी तक यह रिपोर्ट पुलिस हेडक्वार्टर नहीं पहुंची है। शहर कोतवाली, देवा कोतवाली, रामनगर कोतवाली व मोहम्मदपुर खाला थाने के कई गांव इन थानों से दूर पड़ते हैं। इससे क्राइम कंट्रोल करने में मुश्किल हो रही हैं। शासन ने डेढ़ साल पहले देवा की माती चौकी व मोहम्मदपुर की सूरतगंज पुलिस चौकी को थाना बनाने की मंजूरी दी। माती में देवा व शहर कोतवाली के 49 गांव शामिल किए गए तो सूरतगंज में रामनगर व मोहम्मदपुर खाला के 86 गांव लिए गए। करीब साल भर पहले शासन ने इन थानों के लिए एक इंस्पेक्टर, दो सब इंस्पेक्टर, नौ मुख्य सिपाही, 15 सिपाही, दो कंप्यूटर ऑपरेटर, दो चालक, तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी के 32-32 पद भी सृजित किए जा चुके हैं। थानों के भवन बनाने की जिम्मेदारी यूपी प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड को सौंपी गई थी। जमीन की नापजोख के बाद भी निर्माण कार्य शुरू नहीं हो सका। कार्यदायी संस्था को मिट्टी की जांच कराने के बाद पुलिस हेड क्वार्टर रिपोर्ट भेजनी थी। करीब एक सप्ताह पहले मिट्टी की जांच पूरी हुई। फिलहाल यह जांच रिपोर्ट यूपी प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड के पास है। तैयार रिपोर्ट में संबंधित अधिशासी अभियंता के हस्ताक्षर न हो पाने के कारण मिट्टी की जांच रिपोर्ट अभी तक पुलिस हेडक्वार्टर नहीं भेजी जा सकी है। इस कारण निर्माण कार्य फिलहाल अटका पड़ा है। यूपी प्रोजेक्ट कारपोरेशन लिमिटेड के महाप्रबंधक जोन-7 राजेश वर्मा ने बताया कि माती व सूरतगंज में थानों का भवन बनाने को लेकर जल्द ही पुलिस हेडक्वार्टर रिपोर्ट भेजी जाएगी। वहां से अनुमति के बाद निर्माण कार्य शुरू होगा। जिले में नारकोटिक्स थाना खोलने को मंजूरी करीब ढाई साल पहले मिली थी। इसके बाद पुलिस लाइन में पुराने व जर्जर भवन में अस्थायी तौर पर नारकोटिक्स थाना खोल दिया गया। दिसंबर 2022 को प्रशासन ने जैदपुर थाना क्षेत्र के इंधौलिया गांव में सरकारी जमीन पर अवैध रुप से बने आलीशान भवन व राइस मिल को ढहवा कर खाली जमीन पर नारकोटिक्स थाना खोलने का प्रस्ताव भेजा था। इसके बाद यहां 2560 वर्ग फीट जमीन नारकोटिक्स थाने के लिए चिह्नित की गई। निर्माण कार्य अभी भी ठंडे बस्ते में है।

सीएचसी की दुर्दशा - स्टोर में एक्सपायरी दवाएं, 39 कर्मचारी नदारद, प्रभारी का चार्ज छिना

फर्रुखाबाद, संवाददाता। फर्रुखाबाद जिले में सदर विधायक की गोद ली हुई सीएचसी का मंगलवार को भाजपा सांसद मुकेश राजपूत ने निरीक्षण किया। गंदगी के अंबार मिलने के साथ स्टोर में एक्सपायर दवाएं भी रखीं मिलीं। 45 में से 39 कर्मचारी गायब थे। सीएमओ ने सीएचसी प्रभारी को चार्ज से हटा दिया। फार्मासिस्ट को संबद्ध करने के साथ निलंबन की संस्तुति की दी है। भाजपा सांसद मुकेश राजपूत ने बढ़पुर ब्लॉक की सीएचसी बरौन का निरीक्षण किया। वहां उन्होंने कमरे में भरी दवाओं का स्टॉक देखा तो भारी मात्रा में एक्सपायर दवाएं मिलीं। इसमें कई प्रकार की जांच किट, इंजेक्शन व महंगी दवाएं भी शामिल थीं। लाखों की तादाद में कैल्शियम व आयरन की गोलियां भी रखी थीं। वर्ष 2020 से जून 2024 तक की एक्सपायरी दवाएं देख सांसद दंग रह गए। उन्होंने वार्ड देखे तो जगह-जगह गंदगी के अंबार मिले। शौचालय, वॉश बेसिन में भी गंदगी की भरमार थी। उन्होंने सीएचसी प्रभारी से पूछा कि कुल कितने कर्मचारी हैं। बताया गया कि 45, जबकि मौके पर डॉक्टर सहित मात्र छह कर्मचारी ही मौजूद थे। सांसद ने उपस्थिति रजिस्टर देखा तो गायब कर्मचारियों के भी हस्ताक्षर मिले। सीएचसी की बदहाली देख सांसद ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने सीएमओ को मामले की जानकारी दी। जानकारी पर सीएमओ डॉ.अवनींद्र कुमार व एसीएमओ डॉ.रंजन गौतम ने मौके पर जाकर हकीकत देखी।

बड़ी मात्रा में एक्सपायर दवाएं मिलने पर उन्होंने फार्मासिस्ट संजीव शाक्य को हटाकर अपने कार्यालय से संबद्ध कर लिया। वहीं, सीएचसी प्रभारी डॉ.अनुनय कुटार को चार्ज से हटा दिया। विदित है कि सदर विधायक सुनील दत्त द्विवेदी ने सीएचसी बरौन को गोद लिया है। उन्होंने गत माह सीएचसी का निरीक्षण भी किया था। इसके बावजूद कोई सुधार नहीं हुआ। सीएमओ डॉ.अवनींद्र कुमार ने बताया कि लापरवाही बरतने में सीएचसी प्रभारी डॉ.अनुनय कुटार से एमओआईसी का चार्ज हटाकर डॉ.अनुराग कुशवाहा को दे दिया है। एक्सपायरी दवाएं मिलने पर फार्मासिस्ट संजीव शाक्य को कार्यालय से संबद्ध कर उसके निलंबन के लिए डीजी को पत्र भेजा है।

स्वीपर को चेतावनी देकर उसका वेतन रोक दिया है। गायब 39 कर्मचारियों से जवाब मांगा जाएगा। इसके साथ ही सीएचसी के नोडल अधिकारी डिप्टी सीएमओ डॉ.दीपक कटारिया से स्पष्टीकरण तलब किया गया है।

मासूम की अस्मत से खिलवाड़ की कोशिश

आगरा, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के आगरा में छह वर्षीय बच्ची को एक युवक गलत नीयत से उठा ले गया। वह पिता के साथ सो रही थी। मां के शोर मचाने पर आरोपी बच्ची को छोड़कर फरार हो गया। इसके बाद रोते हुए बच्ची भागकर मां के पास पहुंची। घरवालों ने थाने में तहरीर दी। लेकिन, मुकदमा दर्ज नहीं किया। पंचों ने बालिका की अस्मत तौली और आरोपी के साथ राजीनामा करा दिया। मामला सिकंदरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। गांव में एक छह वर्षीय बच्ची का परिवार किराए पर रहकर मजदूरी करता है। रविवार की रात बच्ची अपने पिता के साथ चारपाई पर सो रही थी। पास में ही जमीन पर उसकी मां भी सो रही थी।

वहीं जमीन पर पर्स रखा हुआ था। इसमें दो हजार रुपए रखे थे। बच्ची के पिता की आंखें खुली तो बच्ची और पर्स दोनों नहीं थे। इस पर उसने अपनी पत्नी को पूछा कि बच्ची कहां है। उसने कहा कि बाथरूम गई होगी। लेकिन, काफी देर तक बच्ची नहीं लौटी। इस पर मां ने शोर मचाना शुरू किया। शोर सुनकर एक युवक भागता हुआ दिखा। बच्ची चीखती हुई गली की तरफ से घर की ओर आई। मां ने उससे पूछा कहां थी। उसने बताया कि अंकल अपने साथ उठा ले गए थे। बच्ची के परिजन ने थाने में युवक के खिलाफ तहरीर दी। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर थाने ले गई। घरवालों ने सोमवार की सुबह तहरीर दी। इसके बाद भी शाम तक अभियोग पंजीकृत नहीं हुआ। पुलिस आरोपी और पीड़ित पक्ष के बीच समझौते का इंतजार करती रही। घटना पूरे क्षेत्र में चर्चा का विषय बन गई। हर कोई बालिका के साथ इस तरह की हरकत सुनकर हैरान था। बच्ची की मां ने एक वीडियो जारी किया। यह सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल हो रहा है। बताया तो यह भी गया कि कुछ पंचों ने बालिका के घर पहुंचे।

उन्होंने छह वर्षीय बालिका की अस्मत की कीमत तौलकर राजीनामा करा दिया। क्षेत्र का हर व्यक्ति कार्रवाई न होने से आक्रोशित है। चौकी प्रभारी ने बताया कि बच्ची के परिजन ने तहरीर दी थी। उसमें कुछ गलतियां थीं। शुद्ध करने के लिए देर रात तक बुलाते रहे। लेकिन, वह नहीं आए। इसके बाद आपस में राजीनामा हो गया है।

ट्रांसपोर्टर के मकान से चोरों ने पार किया लाखों का माल

उन्नाव, संवाददाता। शहर के चौधराना मोहल्ले में ट्रांसपोर्टर के मकान के ताले तोड़कर चोरों ने 16.40 लाख के जेवर-नकदी पार कर दी। घटना के समय बेटा परिवार के साथ महाराष्ट्र गया था। ट्रांसपोर्टर पुरवा स्थित घर में थे। मोहल्ले के लोगों की सूचना पर वह घर पहुंचे और तहरीर दी। सदर कोतवाली के चौधराना पुरानी बाजार मोहल्ला निवासी बस ट्रांसपोर्टर रमेशचंद्र गुप्ता मूल रूप से पुरवा कोतवाली के मोहल्ला शीतलगंज के रहने वाले हैं। उनका बड़ा बेटा अभिषेक गुप्ता उर्फ प्रिंशू और बहू शिल्पी दो बच्चों के साथ 29 अगस्त को दर्शन करने महाराष्ट्र गए थे।

रमेशचंद्र पुरवा स्थित घर में थे। पुरानी बाजार स्थित घर में रविवार रात चोर गेट का ताला तोड़कर अंदर दाखिल हुए। पीड़ित के अनुसार, कमरों और अलमारियों के ताले तोड़कर 1.40 लाख रुपये और करीब 15 लाख कीमत के जेवर चोरी कर ले गए। सोमवार सुबह पड़ोसियों ने गेट का ताला टूटा देखा तो सूचना दी। रमेशचंद्र मौके पर पहुंचे तो सारा सामान और जेवर के खाली डिब्बे बिखरे पड़े थे। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच की और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की जांच शुरू की। पीड़ित ने कोतवाली में 16.40 लाख रुपये के जेवर-नकदी चोरी होने की तहरीर दी है।

हालांकि घटना के बाद उन्होंने मीडिया से बात करते हुए 40 लाख की चोरी होने की बात कही थी। दोपहर बाद पुलिस को तहरीर दी गई है। किला चौकी इंचार्ज राजेश दीक्षित ने बताया कि घटना की तहरीर मिली है। पीड़ित के बेटे-बहू दर्शन करने गए हैं। उनके लौटने पर पूरी जानकारी हो पाएगी। बताया कि घटना की जांच की जा रही है।

संक्षिप्त खबरें

पिता की डांट से आहत छात्रा ने फंदा लगाकर दी जान

औरैया, संवाददाता। औरैया जिले में बेला थाना क्षेत्र के गांव करौली में मंगलवार सुबह पढ़ाई न करने को लेकर पिता ने अपनी बेटी को डांट लगाई। जिससे आहत होकर बेटी ने कमरे में छत के कुंडे से दुपट्टे का गले में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। अन्य परिजनों को बुलाते हुए पुलिस को सूचना दी गई। करौली गांव निवासी 12वीं की छात्रा शिवानी (18) पुत्री रामवरन घर पर थी। पिता रामवरन ने शिवानी को मंगलवार सुबह पढ़ाई न करने को डांट लगाई। दोपहर में रामवरन घर के बाहर झोपड़ी में सोने चला गया। इसी बीच शिवानी ने घर के अंदर कमरे में पहुंचकर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। मां तिर्वा में दवा लेने के लिए गई हुई थी। रामवरन के घर के अंदर पहुंचने पर बेटी के शव पर नजर पड़ी। चीख-पुकार करने पर पड़ोसी पहुंचे। सूचना पर थाना पुलिस व सीओ भरत पासवान गांव पहुंचे। परिजनों से पूछताछ की गई। पुलिस को रामवरन ने बताया कि बेटी को पढ़ाई न करने को लेकर सुबह डांट लगाई थी। जिसके बाद उसने यह कदम उठा लिया। उधर फोरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटाए। सीओ भरत पासवान ने बताया कि पढ़ाई को लेकर पिता की डांट से आहत होकर छात्रा के आत्महत्या करने की बात सामने आई है। परिवारीजनों की ओर से किसी पर भी कोई आरोप नहीं लगाया है।

सपा ने दुष्कर्म आरोपियों पर की कार्रवाई की मांग

फतेहपुर, संवाददाता। समाजवादी पार्टी ने अमर उजाला की एक खबर को एक्स पर ट्वीट किया है। कमेंट में दुष्कर्म के आरोपियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।

कॉलेज जा रही छात्रा को बंधक बनाकर दुष्कर्म शीर्षक से सोमवार को प्रमुखता से खबर प्रकाशित की गई। समाजवादी पार्टी ने इस खबर को एक्स पर ट्वीट करके प्रदेश में महिलाओं के साथ बढ़ रहे अपराध की बात कहकर राज्य सरकार को घेरा है। इस ट्वीट के बाद सियासी पारा भी गरमा गया है। वहीं आँग पुलिस भी हरकत में आ गई है। आरोपी को गिरफ्तार करने के लिए टीमें बनाकर दबिश दे रही है। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद आरोपी घर से फरार हैं। थाना प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार ने बताया जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

बिजली के तार की चपेट में आने से किसान की मौत

लहरपुर, संवाददाता। कोतवाली तालगांव क्षेत्र के एक गांव निवासी किसान की सोमवार को बिजली के तार की चपेट में आने से दर्दनाक मौत हो गई। वह अपने खेत की सिंचाई करने जा रहे थे। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली क्षेत्र के बाड़ा तालाब भेलावां निवासी रामदुलारे (56) सोमवार सुबह करीब चार बजे खेत की सिंचाई करने जा रहे थे। रास्ते में पड़े बिजली के तार की चपेट में आ गए। इस दौरान वह बुरी तरह से झुलस गए। मौके पर ही उनकी दर्दनाक मौत हो गई। खेत में जा रहे अन्य ग्रामीणों ने शव देखकर परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। कोतवाली प्रभारी दीपक कुमार राय ने बताया कि परिजनों ने कोई भी आरोप नहीं लगाया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं, नायब तहसीलदार अरुण कुमार ने बताया कि राजस्व टीम को मौके पर भेजा गया। पीड़ित परिवार के द्वारा आवेदन करने पर मुख्यमंत्री कृषक दुर्घटना बीमा योजना के तहत पांच लाख रुपये की वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी।

एडीओ पंचायत ने निजी कर्मी से करा दिया विद्यालय का निरीक्षण

उन्नाव, संवाददाता। सहायक शिक्षिका अल्का पटेल प्रकरण में सीडीओ ने सफीपुर एडीओ पंचायत छोटेलाल को भी नोटिस जारी किया है। सीडीओ ने बताया कि विद्यालय के निरीक्षण के लिए तीन स्तर पर टीमें बनी हैं। अल्का पटेल 16 अगस्त को विद्यालय नहीं पहुंचीं लेकिन उन्होंने मानव संपदा पोर्टल पर चिकित्सीय अवकाश का आवेदन कर दिया था। इसी दिन एडीओ पंचायत छोटेलाल ने खुद निरीक्षण न करके अपने निजी प्राइवेट कर्मी आलम को विद्यालय भेज दिया। आलम ने निरीक्षण किया और अल्का के चिकित्सीय अवकाश पर होने के बाद भी अनुपस्थित दर्शाते हुए एक दिवस का वेतन रोक दिया। सीडीओ के मुताबिक, निरीक्षण के दौरान सेल्फी प्रेरणा निरीक्षण पोर्टल पर करनी होती है। बड़ी बात यह रही कि प्राइवेट कर्मी आलम ने विद्यालय स्टाफ के साथ सेल्फी पोर्टल पर अपलोड कर दी। यह एक गंभीर मामला है। इसलिए एडीओ पंचायत से भी तीन दिन में स्पष्टीकरण मांगा है। समय के अंदर संतोषजनक उत्तर न मिलने पर अनुशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

युवक से मोबाइल लूट कर भागे बाइक सवार

कानपुर, संवाददाता। ड्यूटी से घर लौट रहे साइकिल सवार युवक से बाइक सवार लुटेरे मोबाइल छीनकर भाग निकले। पुलिस जांच में जुटी है। हड़हा गांव निवासी अंकुर बाजपेई कस्बे की एक दुकान में नौकरी करते हैं। रविवार रात नौ बजे दुकान बंद होने के बाद अंकुर साइकिल से घर जा रहे थे। कस्बे के बाहर सैनिक अस्पताल के पास पहुंचे ही थे, तभी पीछे से बाइक सवार दो युवकों ने अंकुर को जबरन रोका और तलाशी ली।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में, प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 - 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार-पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।